जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665 वर्ष: 28 संख्या: 279 प्रभात अजमेर, गुरुवार 9 मई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मल्लिकार्जुन खड़गे ने तुरन्त आनन-फानन में सैम पित्रोदा का इस्तीफा मंजूर किया

ऐसा कहा जा रहा है कि, वे इस बात से अति विचलित हुए कि, सैम पित्रोदा ने उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से अफ्रीकी मूल का बताया, क्योंकि वे काले हैं तथा दक्षिण भारत (कर्नाटक) के रहने वाले हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। राहुल गांधी के मित्र, दार्शनिक एवं मार्गदर्शक सैम पित्रोदा को ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा सौंपने को कहा गया। इसका कारण है पित्रोदा द्वारा ऐसी बातें बोलना है जिनसे पार्टी को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनका इस्तीफा तुरंत प्रभाव से स्वीकार कर लिया।

एक छोट और बंद पड़े दैनिक अखबार को दिए एक साक्षात्कार में पित्रोदा ने भारतीयों के लिए कहा था कि उत्तर-पूर्व भारत के लोग चाइनीज़, दक्षिण भारत के अफ्रीकी और पश्चिम भारत के लोग अरब के लोगों जैसे दिखते हैं। वे भारत में व्याप्त विविधता की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि इतनी विविधता के बावजूद भारत एकजुट है। भाजपा ने इस साक्षात्कार को मुद्दा बनाकर एक ऐसा देश-व्यापी अभियान शुरु कर दिया है और कांग्रेस के लिए उसका जवाब देना मुश्किल हो रहा है।

- राहुल गांधी के मित्र, फिलॉसफर व गाइड, सैम अंकल ने एक छोटे से, लगभग बंद अखबार को इंटरव्यू में दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी मूल, नॉर्थ-ईस्ट वालों को चीनी मूल तथा पश्चिमी हिन्दुस्तान (महाराष्ट्र आदि) को अरब मूल का बताया।
- हालांकि, सैम पित्रोदा ने साथ में यह भी कहा कि, इन सभी विविधता के बावजूद भारत एक ''युनाइटेड'' देश है, पर, भाजपा ने सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर तूफान खड़ा कर दिया और सैम को ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तिफा देना पड़ा।

पित्रोदा ने कुछ समय पूर्व ही विरासत कर लगाने की बात की थी जिससे भी कांग्रेस को शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। कांग्रेस ने ऐसा कोई कदम उठाय जाने का खण्डन किया, किन्तु भाजपा इसे एक मुद्दा बनाने में सफल रही।

कांग्रेस नेता कहते हैं कि पित्रोदा ने अपनी मर्जी से ही त्याग पत्र दिया, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्र कहते हैं कि उन्हें अपना त्याग पत्र सौंपने के लिए कहा गया था क्योंकि वे भाजपा को निरन्तर ऐसे मुद्दे परोसते जा रहे थे जिनसे वह कांग्रेस को मात देती जा रही थी।

सैम पित्रोदा तकनीकी अभियानों पर राजीव गांधी के सलाहकार थे और अब वे राहुल गांधी के सभी विदेशी दौरों में उनके साथ नज़र आते हैं और सभी कार्यक्रमों का संचालन करते देखे जाते हैं।

राहुल उन्हें अंकल बुलाते है लेकिन सवाल यह पूछा जा रहा है कि वे उन मुद्दों पर क्यों बोल रहे हैं जो कांग्रेस के एजेंडा का हिस्सा नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी अध्यक्ष खड़गे अफ्रीकन से तुलना किए जाने से काफी नाराज़ हैं क्योंकि वे कर्नाटक से हैं और वे श्याम वर्ण के हैं।

वर्तमान लोकसभा चुनाव में जाति भेद, धर्म भेद, क्षेत्रवाद और नस्ल भेद सब दिख रहा है।

और मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे मुद्दे लपकने और उन्हें उछालने का कोई भी मौका भाजपा नहीं छोड़ती है, क्योंकि जनता को प्रभावित करने वाले मूल मुद्दों का मोदी व उनके लोगों के पास कोई जवाब नहीं है।

यू.पी. में मायावती से प्रत्याशी बदलवाए शाह ने?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। उत्तर प्रदेश को जातिगत राजनीति के लिए जाना जाता है और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसका पूरा-पूरा उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने इस काम के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती को बाध्य किया है, जिन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद के पद और अधिकार छीन लिए, जिससे कि उन्हें भाजपा को नुकसान पहुंचाने वाले चुनाव प्रचार को जारी रखने से रोका जा सके। इतना ही

- ऐसी चर्चा है कि, मायावती ने शाह के कहने पर 30 क्षेत्रों से प्रत्याशी बदल दिए और ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दे दिए जो भाजपा की जीत आसान बना दें।

नहीं, मायावती ने बसपा के ऐसे 30 उम्मीदवार भी बदल दिए जो भाजपा की जीत की संभावनाओं को हानि पहुंचा सकते थे।

मायावती ने कई ब्राह्मणों और ठाकुरों को बसपा टिकट दिया था, लेकिन उन्होंने इन उम्मीदवारों को अमित शाह के इशारे पर इस सप्ताह एक के बाद एक बदल दिया।

वाराणसी के पास के जौनपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का ही उदाहरण लीजिए, जहाँ से भाजपा ने महाराष्ट्र के प्रदेश उपाध्यक्ष कृपा शंकर सिंह को मैदान में उतारा है। कृपा शंकर पहले

(शेष पृष्ठ 5 पर)

रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी अपनी कविता में लगभग ऐसी ही बात कही थी, जो सैम ने कही

पर, टैगोर की कविता पर, ऐसा हंगामा कतई नहीं हुआ था, जो सैम के उद्गारों से हुआ

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीयों की विविधता के बारे में सैम पित्रोदा की टिप्पणियों पर की गई प्रतिक्रियाएं अपने आप में एक ''नस्लवादी'' दृष्टिकोण को परिलक्षित करती हैं। पित्रोदा ने जो बात मुंहफट अंदाज में कही, रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी भारत की अनेकता में एकता पर लिखी गई एक कविता में वही बात कही है।

भारतीय उपमहाद्वीप में आए विभिन्न नस्लों और पहचान के लोगों के एक भारतीय विचारधारा में तब्दील हो जाने को लेकर गई उक्त कविता पर किसी ने भी आपत्ति नहीं जतायी थी।

- रविन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी प्रसिद्ध कविता ''भारत तीर्थ'' में लिखा है कि, कैसे विश्व के कोनों से लहर पर लहर, भारत के तट पर आयीं और भारत के महासमुद्र में समा गयीं, अपनी पहचान को भारत की पहचान में समावेश कराकर। आर्य, अनार्य, द्रविड़, चीनी, शक, हूण, पठान व मुग़ल आये तथा इन सभी जातियों के धर्म, फिलॉसफी व विचार के मिश्रण से एक महान देश बना भारत।
- सैम व टैगोर के प्रस्तुतिकरण में जरूर फर्क था। टैगोर की भाषा व सोच उदार थी, तथा देश की विविधता को सहर्ष स्वीकार करता दिख रहा था। पर, सैम का वर्गीकरण दिल दुखाने वाला व लगभग व्यंगात्मक व कठोर।

पित्रोदा की टिप्पणियां भारत में प्रतिदिन होने वाली घटनाओं के समरूप हैं। उन्होंने पूर्वी और खासतौर पर पूर्वोत्तर भारत के लोगों के नाक-नक्श की तुलना चाइनीज़ फीचर्स से की है,जो कोई नई बात नहीं है। दिल्ली में ऐसे असंख्य वाकिए होते आए हैं जिनमें नॉर्थ-ईस्ट इंडिया के युवक-युवतियों को डराया धमकाया गया और कभी-कभी तो उन्हें किराए के मकानों से भी बाहर निकाल दिया जाता है।

पित्रोदा ने पश्चिम भारत के लोगों की तुलना अरब के लोगों से की है। वास्तव में देखा जाए तो अरबों और ईरानियों के साथ भारत के ऐतिहासिक लिंक रहे हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में नकारा नहीं जा सकता। मुगल साम्रज्य के अंतिम दौर में अफगानिस्तान पर कई बार राजस्थान के राजाओं का शासन रहा था।

पित्रोदा की जिस टिप्पणी पर सर्वाधिक आलोचना हुई है, वह है दक्षिण भारतीयों का रंग-रूप अफ्रीकियों से मिलाना। त्वचा के रंग को लेकर यह एक भ्रांतिपूर्ण रवैया है। सच पूछे तो दुनिया का कोई भी देश इतना रंगभेदी नहीं है, जितना की भारत, क्योंकि यहां गोरा रंग का हमेशा से गुणगान किया जाता रहा है।

दक्षिण भारतीयों के बारे में उनकी टिप्पणी ना केवल अपमानजनक है बल्कि उससे त्वचा के रंग को लेकर भारतीयों का दृष्टिकोण भी झलकता है, लेकिन इस संदर्भ में जिन लोगों ने पित्रोदा की आलोचना की है, उन्होंने भी एक तरह से भारतीय मानसिकता का

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पेपर लीक में आरोपी ट्रेनी एस.आई. की रिहाई निरस्त

जयपुर, 8 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती 2021, पेपर लीक से जुड़े मामले में मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट, द्वितीय, के गत 12 अप्रैल के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसके तहत अदालत ने 11 ट्रेनिंग एस.आई. सहित कुल 12 आरोपियों की हिरासत को अवैध मानते हुए उन्हें रिहा करने के आदेश दिए थे। इसके साथ ही अदालत ने डी.जी.पी. को कहा है कि, वह आरोपियों की अवैध हिरासत के संबंध में जांच कर 15 दिन में निचली अदालत

- राजस्थान हाई कोर्ट ने 12 अप्रैल के, मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के आदेश को निरस्त कर दिया और डी.जी.पी. से अवैध हिरासत के संदर्भ में जाँच रिपोर्ट मांगी है।

में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें। जिसके आधार पर निचली अदालत अवैध हिरासत के बिंदू को तय करे। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील को मंजूर करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि, 19 मार्च 2024 को मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने अन्य आरोपियों की अवैध हिरासत के संबंध में डी.जी.पी. को जांच करने के आदेश दिए थे और उनसे रिपोर्ट मांगी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'आपको कैसे मालूम अडानी-अबांनी टैम्पो में भरकर पैसा देते हैं'

राहुल गांधी ने यह पलटवार करते हुए मोदी जी से व्यंगयात्मक टोन में पूछा, ''क्या यह आपका पुराना अनुभव है?''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। कांग्रेस नेता, राहुल गांधी ने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री मोदी से एनफॉर्समेन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) की टीमों को उद्योगपतियों, अंबानी और अडाणी के पास भेजने के लिए कहा है ताकि प्रधानमंत्री अपना आरोप सिद्ध करने के लिए सूचना इकट्ठी कर सके, कि, क्या इन उद्योगपतियों ने कांग्रेस पार्टी को काला धन दिया है।

- राहुल गांधी ने तंज करते हुए यह भी कहा, ''आप ई.डी. व सी.बी.आई. की टीमें अडानी-अबांनी के प्रतिष्ठानों पर भेजते, आपके आरोपों के सबूत इकट्ठे करने के लिये।''

पांच सालों में यह पहली बार हुआ है कि, प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी द्वारा भारतीय उद्योगपतियों पर ''क्रोनी कैपिटलिज़्म'' (मित्र पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना) के नाम पर निरंतर हमला करने पर प्रतिक्रिया दी है और प्रधानमंत्री ने सवाल किया कि, कांग्रेस की शीर्ष व्यवसायियों के साथ क्या ''डील'' हुई है, जिसके कारण कांग्रेस ने उनको अचानक गाली देना बंद कर दिया है। कांग्रेस नेता ने जवाबी हमला करते हुए कहा कि, वह अपने आरोप पर अडिग है कि, भाजपा सरकार ने अडाणी और अंबानी के कर्जे माफ करके, उनको अरबों रुपये कमाने में मदद की है।

सोशल मीडिया में संचारित एक विडियो बयान में राहुल गांधी ने, अंबानी -अडाणी से ''डील'' वाले ताने पर, नरेन्द्र मोदी पर हमला बोला है, ''नमस्कार मोदी जी, क्या आप डर गए?'' राहुल गांधी ने कहा, ''अंबानी, अडाणी से आप सामान्यत: बंद दरवाजों के पीछे बात करते हो, यह पहली बार हुआ है कि आपने सार्वजनिक तौर पर अंबानी, अडाणी कहा।''

प्रधानमंत्री के ताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''और आपको यह भी पता है कि वे धन ''टैम्पो'' (गाड़ी) में भेजते हैं। क्या यह आपका निजी अनुभव है?'' फिर उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मोदी ने ही संविधान की भावना को वास्तव में धरातल पर उतारा:अठावले

नई दिल्ली 8 मई (वार्ता)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भारतीय संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के आदर्शों व विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

- अठावले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से केंद्र सरकार पर देश में आरक्षण हटाए जाने के भ्रामक दुष्प्रचार, बयानबाजी एवं तथ्यहीन आरोपों के विरोध में हमारी पार्टी ने चुनाव आयोग में गत छह मई को लिखित शिकायत भेजकर विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की गयी है।
- अठावले ने कहा कि, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की थी, लेकिन उनकी यात्रा 'भारत तोड़ो यात्रा' थी। कांग्रेस पार्टी ने सदा से देशविरोधी ताकतों का ही परोक्ष या अपरोक्ष रूप से समर्थन ही किया है।

अठावले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से केंद्र सरकार पर देश में आरक्षण हटाए जाने के भ्रामक दुष्प्रचार, बयानबाजी एवं तथ्यहीन आरोपों के विरोध में हमारी पार्टी ने चुनाव आयोग में गत छह मई को लिखित शिकायत भेजकर विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की गयी है।

आठवले ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सहित इंडिया समूह के नेतागण जनसभाओं में बयानों के जरिये देश के संविधान पर खतरा बता रहे हैं। विपक्षी दलों की ओर से नरेन्द्र मोदी जी के खिलाफ जनता के बीच में यह दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव में 400 सीटें इसीलिए जीतना चाहती है, कि वह संविधान को बदल सके।

अठावले ने कहा कि प्रधानमंत्री भी स्वत: अपनी कई जनसभाओं में संविधान बदलने के मिथ्यारोपों का खंडन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं देश की जनता को आवाहन करता हूँ कि वो लोकसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कर विपक्षी दलों को उनके दुष्प्रचार का सही जवाब दें।

आठवले ने कहा कि वास्तविकता में इंडिया समूह मोदी जी पर मिथ्यारोप लगा कर उनकी छवि को धूमिल कर केवल अपने राजनीतिक हित साध रही है, जबकि वास्तविकता में मोदी जी संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के संविधान को केंद्र सरकार के धर्मग्रंथ जैसा सम्मान देकर उनके विचारों व आदर्शों को धरातल पर सार्थक रूप से पहुंचाने का काम कर रहे है।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जी के द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी को भारत का संविधान सौंपा था। उस दिन को मोदी जी ने 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय भी लिया है। सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास सबका विश्वास के नारे को पिछले 10 वर्ष से साकार करने का काम केन्द्र सरकार निरन्तर कार्य कर रही है।

अठावले ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की थी, लेकिन उनकी यात्रा 'भारत तोड़ो यात्रा' थी। कांग्रेस पार्टी ने सदा से देशविरोधी ताकतों का ही परोक्ष या अपरोक्ष रूप से समर्थन ही किया है।

'नोटों से भरे बोरे, टैम्पो में डालकर कांग्रेस, अडानी व अबांनी से लेकर आयी है'

प्र.मंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर सीधा आरोप लगाया और कहा, इसी कारण चुनाव की घोषणा होने के बाद से राहुल ने अडानी-अबांनी को गाली देना बंद कर दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। वर्तमान लोकसभा चुनावों के बीच में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेसी नेता पर सनसनीखेज आरोप लगाकर राजनीति में खलबली मचा दी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि जब से इस बार का चुनाव प्रचार अभियान शुरु हुआ है राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडाणी व मुकेश अंबानी के खिलाफ आरोप लगाना बंद कर दिया है। संभवतया दोनों उद्योगपतियों से कांग्रेस को टैम्पों में भरकर नोटों के बोरे मिले हैं।'' उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए

- तेलंगाना की एक आम सभा में सार्वजनिक मंच से लगाये गये इस संगीन आरोप से सब स्तब्ध हैं।
- आम चर्चा है, क्या मोदी के पास कुछ ठोस सबूत है, इस आरोप के बारे में, जो वे दो-तीन दिन में उजागर करेंगे।

कहा कि कांग्रेस को इस बात का खुलासा करना चाहिए कि उसने अंबानी व अडाणी से कितने बोरे कालाधन प्राप्त किया है। मतलब दाल में कुछ काला है, ''यह बात प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की एक जनसभा में जोर-शोर से कही।

राहुल गांधी वर्ष 2014 से ही प्रधानमंत्री मोदी और दोनों उद्योगपतियों के बीच में सांठगांठ होने का आरोप लगाते रहे हैं और चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद भी वे इस पर चुप नहीं बैठे और आरोप लगाते रहे हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि, उन्होंने 3 अप्रेल से अब तक सार्वजनिक मंचों से 103 बार अडाणी का नाम लिया था तथा 30 से अधिक बार मुकेश अंबानी का संदर्भ दिया था। कांग्रेस ने 47 सैकण्ड का वीडियो भी जारी किया था, जिसमें 5 क्लिप्स ऐसी है जिनमें राहुल जोर-शोर से अडाणी और मोदी के संबंधों के बारे में प्रश्न खड़े करते हैं, प्रत्येक क्लिप में उनके भाषण की तारीख व स्थान का जिक्र है: 2 मई को कर्नाटक में, 3 मई को महाराष्ट्र, 5 मई को तेलंगाना में, 6 मई को मध्यप्रदेश में और 7 को झारखंड में। वीडियो का शीर्षक हैं: ''पी.एम. मोदी को अडाणी ने नौकरी पर रखा है।''

अलग से जारी एक बयान में, प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री व भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने उद्योगपतियों का 16 ट्रिलियन रुपयों का

(शेष पृष्ठ 5 पर)

वित्त वर्ष 2023-24 में इकनॉमिक ग्रोथ 8 फीसदी तक पहुंचने के आसार

नई दिल्ली, 8 मई। वित्त वर्ष 2023-24 में इकनॉमिक ग्रोथ 8 फीसदी तक पहुंचने के आसार हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने यह संभावना जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष की तीन तिमाहियों में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके आधार पर वित्त वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी ग्रोथ रेट आठ फीसदी तक पहुंचने की काफी संभावना है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद दिसंबर 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में 8.4 फीसदी बढ़ा। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.6 फीसदी रही। जबकि पहली तिमाही में यह 7.8 फीसदी थी। नागेश्वरन यहां एनसीएईआर की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शिकरत करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, 'आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7.8 फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। अगर आप पहली तीन तिमाहियों में ग्रोथ की रफ्तार को देखें तो स्पष्ट रूप से जीडीपी रेट आठ फीसदी तक पहुंचने की संभावना काफी अधिक है।'

हमारी मांगों को पूरा करने वाले दल को मिलेगा सिख वोट: सरना

शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के प्रधान सरदार परमजीत सिंह सरना ने सिख समाज की तरफ से सरकार से कई मांगें रखीं

नई दिल्ली, 8 मई (वार्ता)। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के प्रधान सरदार परमजीत सिंह सरना ने बुधवार को कहा कि सिख कौम सिर्फ उसी राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवारों को समर्थन देगा जो उसकी मांगों को पूरा करने का वादा स्पष्ट तौर पर करेंगे।

सरना ने आज कहा कि 30 वर्ष से जेल में बंद रहने वाले सिखों ने बहुत लंबे समय से नाइंसाफ़ी का सामना किया है। यह आवश्यक है कि नई सरकार बनने पर उन्हें न्याय दिया जाए और उन्हें रिहा किया जाए।

- सरना ने कहा कि, 30 वर्ष से जेल में बंद रहने वाले सिखों ने बहुत लंबे समय से नाइंसाफ़ी का सामना किया है। यह आवश्यक है कि नई सरकार बनने पर उन्हें न्याय दिया जाए और उन्हें रिहा किया जाए।
- सरना ने कहा कि, देश भर के किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, इसलिए नई सरकार उनकी शिकायतों को सुनकर उसका समुचित समाधान करना चाहिए। किसानों को किसी भी लालच के बिना किसी भी देश या क्षेत्र को अपनी उपज बेचने की इजाज़त दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश भर के किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, इसलिए नई सरकार उनकी शिकायतों को सुनकर उसका समुचित समाधान करना चाहिए। किसानों को किसी भी लालच के बिना किसी भी देश या क्षेत्र को अपनी उपज बेचने की इजाज़त दी जानी चाहिए। अकाली नेता ने कहा कि ननकाणा साहिब सिख कौम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हर सिख इसके दर्शन के लिए सुबह-शाम अरदास करता है। नई सरकार के कार्यकाल में सिखों को ननकाणा साहिब के दर्शन के लिए वीज़ा ऑन अराइवल दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा इन माँगों के अलावा सिखों के धार्मिक मामलों में केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा किसी भी तरह की दखल-अंदाज़ी नहीं की जानी चाहिए।

विचार बिन्दु

ईश्वर आपत्तियों का भला करे क्योंकि इन्हीं से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। –अज्ञात

जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने में पेड़-पौधे मददगार

जलवायु परिवर्तन के खतरे को लेकर इन दिनों देश और दुनिया में भारी चिंतन और मंथन चल रहा है। वैश्विक तापमान उम्मीद से अधिक तेज गति से बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में पेड़-पौधे मददगार साबित हो सकते हैं, क्योंकि वे कार्बन डाइ ऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और धरती गर्म होने से बचाते हैं। एक वृक्ष अपने पूरे जीवन में हर तरह से मनुष्य के काम आता है। भोजन प्रदान करने, छाँव देने, घर बनाने को लकड़ी देने से लेकर सांसे लेने के लिये जीवनदायिनी ऑक्सीजन भी देता है। पेड़-पौधों को लेकर कई प्रकार के शोध होते रहते है। हर शोध में पेड़-पौधों को जीवनदाई बताया जाता है। हाल ही एक शोध रिपोर्ट में बताया गया की पेड़-पौधे बेहद संवेदनशील होते है। शोर से पेड़-पौधे मुरझा जाते है और उनकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमें ध्वनि प्रदूषण से इनको बचाना चाहिए ताकि कोरोना जैसे संकट काल में पेड़-पौधों से मिलने वाली ऑक्सीजन हमारे जीवन को बचाएं।

मानसून के आते ही लोगों के समक्ष यह दुविधा बन जाती है कि इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए हितकारी हो। औषधीय पौधें इम्युनिटी बढ़ाने के साथ हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते है। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दवाओं का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते, मगर अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते।

फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों को भोगते हुए जैसे-तैसे अपने जीवन की गाड़ी को हांकते है। अपने घरों पर औषधीय पौधे लगाएं तो ये हमें प्राण वायु तो देते ही है साथ ही स्वस्थ जीवन की राह भी दिखाएंगे।

पेड़-पौधे हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। प्राचीन काल में मानव ने तरह-तरह के पेड़-पौधों की खोज कर खुद को निरोगी रखा। मानव सभ्यता के विकास के साथ विज्ञान ने हमें नयी-नयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर औषधीय पौधों की महत्ता कभी कम नहीं हुई। भारत में औषधीय गुण वाले असंख्य पेड़-पौधे हैं।

भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ग्रंथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर-घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी-दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है। यदि इन पेड़-पौधों का हम उचित रखरखाव कर विभिन्न रोगों के इलाज में सही ढंग से उपयोग करें तो ये हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बेहद लाभदायक हो सकते है।

वनस्पतियां आक्सीजन देकर हमें जीवन प्रदान करती हैं। बिना आक्सीजन के हम जीवित रह ही नहीं सकते और पेड़-पौधे यही जीवनदायिनी आक्सीजन छोड़ते हैं। एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। वे हमारे द्वारा छोड़ी गई विषैली गैस कार्बन-डाइ-आक्साइड को ग्रहण करते हैं। कुछ पौधे ऐसे भी होते हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पीपल, नीम, तुलसी, एलोवेरा, एक्समस कैक्टस, सर्पेन्टाइल (स्नेक प्लांट), आर्चिड्स, आरेंजठोवेरा आदि ऐसे पेड़-पौधें हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़-पौधे न रहें तो जिन्दा रहने के लिए साँस और जीवन की धड़कन ही बन्द हो जायेगी। अब भी समय है हम समझे और समझाए कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए कितने अहम् और प्राणदायक है।

रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर-घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी-दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है।

पौधे विषाक्त उत्सर्जन को अपने में समाहित कर लेते है। पेड़-पौधों के न होने से मिलने वाले जीवनदायी लाभ कम होते गए। अगर सांस लेने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन चाहिए तो अपनी रोजमर्रा की लाइफ में हमें घर-घर और गली-गली में पेड़ पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करना होगा। कुछ समुद्री पौधे सबसे अधिक आक्सीजन छोड़ते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार 70-80 प्रतिशत आक्सीजन इन समुद्री पौधों से ही उत्पन्न होता है। अधिक पत्तियों वाले पौधे अधिक आक्सीजन छोड़ते हैं। पत्तियां एक घंटे में पांच मिलीलीटर आक्सीजन उत्पन्न करती हैं। पीपल का पेड़ जहां रात में भी आक्सीजन देता है वहीं 22 घंटे से अधिक समय तक आक्सीजन देता है। बांस का पौधा भी अन्य पेड़ों की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक आक्सीजन देता है। नीम, बरगद एवं तुलसी का पौधा भी 20 घंटे से अधिक समय तक आक्सीजन देता है।

पेड़-पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। मनुष्य के जीवन में वन महत्वपूर्ण रहे हैं। परन्तु जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे-वैसे मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्षों को काटना आरम्भ कर दिया। वनों की लगातार कटाई होती गई और वातावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ा। आज हमारी स्थिति यह हो गई है कि वृक्षों की छाव मिलनी भी दुर्लभ हो गई है।

वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 9 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, कृत्तिका नक्षत्र दिन 11:55 तक, शोभन योग दिन 2:41 तक, बव करण प्रातः 6:22 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 11:55 तक है। आज गुरू अस्त पश्चिम में प्रातः 7:15 पर होगा। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, शिवाजी जयन्ती है। आज द्वितीया तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:30 तक, चर 10:46 से 12:24 तक, लाभ-अमृत 12:24 से 3:40 तक, शुभ 5:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:00

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें अभी यथावत बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से राहत मिलेगी।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

तीर्थंकर आदिनाथ का 13 माह निराहार के बाद प्रथम आहार का दिन अक्षय तृतीया त्यौहार

भागचंद जैन

भारतीय संस्कृति में बैसाख शुक्ल तृतीया का बहुत बड़ा महत्व है, इसे सामान्य बोलचाल में आखा तीज या अक्षय तृतीया भी कहा जाता है। जैन दर्शन में इसे श्रमण संस्कृति के साथ युग का प्रारंभ माना जाता है। हुंडावसर्पिणी के तृतीय काल में अयोध्या में राजा नाभीराज एवं रानी मरूदेवी का राज्य था। उनके एक पुत्र ऋषभनाथ का जन्म हुआ। वृद्धावस्था आने पर उन्होंने अयोध्या का राजपाट ऋषभनाथ को दिया। इन्हे आदिनाथ भी कहा जाता है।

तीर्थंकर आदिनाथ को इस युग के निर्माता के रूप में जाना जाता हैं।

उस समय मनुष्य भोगभूमि का जीवन जी रहे थे, मनुष्य की सभी आवश्यकताएं कल्पवृक्ष से पूरी हो जाया करती थी। लेकिन धीरे-धीरे कल्पवृक्ष की शक्तियां कम होती गयी।भोगभूमि की रचना मिटने लगी और कर्मभूमि की रचना प्रारंभ हो रही थी। उस समय वर्षा होने से खेतों में अपने आप तरह-तरह के धान्य, वृक्षों के अंकुर उत्पन्न होकर समय पर योग्य फल देने वाले हो गए था। लेकिन ये एक बार पैदा होकर नष्ट हो गए था। खाने-पीने की समस्या उत्पन्न हो गई थी। भोग भूमि बिल्कुल मिट चुकी थी और कर्म युग का प्रारंभ हो गया था, परंतु लोग कर्म करना जानते नहीं थे इसलिए वे भूख-प्यास से दुखी होने लग।

इसके बाद भगवान आदिनाथ ने ही मानव जाति को आवश्यक ज्ञान दिया। उन्होंने मनुष्य को जीवन जीने के लिए छः कार्य सिखाय।

असि (weaponry) - रक्षा करने के लिए अर्थात सैनिक कर्म

मसि (writing) - लिखने का कार्य अर्थात लेखन

कृषि (agriculture) - खेती करना और अन्न उगाना

विद्या (education) - ज्ञान प्राप्त करने से संबंधित कर्म

वाणिज्य (commerce) - व्यापार से संबंधित

शिल्प (crafts) - मूर्तियों, नक्काशियों, भवनों इत्यादि का निर्माण।

तीर्थंकर आदिनाथ ने ही लोगों को सुनियोजित तरीके से सभी तरह के कार्य करना सिखाया था। इसी तरह अपनी सुपुत्रियों ब्राह्मी को लिपि विद्या एवं सुंदरी को अंक विद्या (हल्सीदत्दुब) का ज्ञान कराकर, इन विद्याओं को आम जन में प्रसारित करवाया। मनुष्य को मूलभूत आवश्यकताओं को सिखाने का श्रेय भगवान आदिनाथ को जाता है। उन्होंने प्रथम बार अपनी नगरी अयोध्या में शासन-व्यवस्था, नियम-सिद्धांत, अधिकार-कर्तव्य इत्यादि की स्थापना की थी। इसके बाद सब कुछ नियमों के अनुसार चलने लगा तथा धर्म की स्थापना हुई। जैन दर्शन के अनुसार इस तरह भरत क्षेत्र में युग का परिवर्तन भोग भूमि से कर्मभूमि के रूप में हुआ।

एक दिन दरबार में नर्तकी नीलांजना की नृत्य के दौरान मृत्यु होने से जब आदिनाथ को जीवन से वैराग्य हो गया तो उन्होंने जैन धर्म की दीक्षा ली तथा छः महीने का उपवास लेकर तपस्या की। छः माह बाद जब उनकी तपस्या पूरी हुई। तब भी शरीर को भूख प्यास की पीड़ा नहीं थी। लेकिन वे आहार को निकले ताकि आने वाले समय में श्रावकों द्वारा मुनिराजों को आहार हेतु पड़गाहन आदि विधि एवं मुनिराजों द्वारा आगमानुसार आहारचर्या का पालन कर सकेंग।

ऋषभदेव जी के त्याग को देखते हुए उनके साथ कई राजा व प्रजा के लोग भी आये थे जिन्होंने सन्यास ले लिया था। इसमें उनके पुत्र व प्रपोत्र भी थे। चूँकि वह पहले तीर्थंकर थे, इसलिए लोगों को यह नही पता था कि उन्हें आहार किस विधि से दे, आहार में क्या दे एवं इसलिए वे उन्हें आभूषण, हीरे-मोती इत्यादि बहुमूल्य वस्तुएं दिया करते थे, ना कि भोजन। लेकिन छः माह पश्चात भी आहार विधि नहीं मिली तो उनके साथ के लोगों में व्याकुलता होने लगी और वे भूख-प्यास से बेहाल होने लगे। तब उनमे से कईयों ने जैन धर्म में से कई अन्य मतों/ संप्रदायों की शुरुआत की।

इसी तरह भगवान आदिनाथ को बिना आहार ग्रहण किए हुए 13 माह से अधिक यानी 398 दिन हो गए थे। एक दिन वे भ्रमण करते हुए हस्तिनापुर पहुंचे। जहाँ राजा सोमप्रभ एवं युवराज श्रेयांस कुमार दोनो भाई दौड़कर मुनि ऋषभनाथ के पास आ। ऋषभनाथजी को देखते ही श्रेयांस कुमार को जातिस्मरण हो गया एवं पूर्वभव में दिगंबर मुनि को दिए गए आहार का दृश्य सामने आ गया। प्रातःकाल का समय था। ऋषभनाथ का नवधाभक्ति के साथ पड़गाहन के साथ श्रेयांस कुमार ने राजा सोमप्रभ एवं रानी लक्ष्मीमती के साथ आहार करवाया। प्रथम आहार के रूप में इक्षुरस का पान कराया। उन्होंने लगभग 13 माह से अधिक समय के बाद कुछ ग्रहण किया था, इसलिए इस दिन का महत्व बढ़ गया था। यह दिन वैशाख शुक्ल तृतीया थी जिसे आज अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं।

प्रथम तीर्थंकर की प्रथम आहारचर्या तथा प्रथम दानतीर्थ प्रवर्तन की सूचना मिलते ही देवों ने तथा भरतचक्रवर्ती सहित समस्त राजाओं ने भी श्रेयांसकुमार का अतिशय सम्मान किया।भरत क्षेत्र में इसी दिन से आहार दान देने की प्रथा का शुभारम्भ हुआ। पूर्व भव का स्मरण कर राजा श्रेयांस ने जो दानरूपी धर्म की विधि संसार को बताई उसे दान का प्रत्यक्ष फल देखने वाले भरत आदि राजाओं ने बहुत श्रद्धा के साथ श्रवण किया। लोक में श्रेयांस कुमार दानतीर्थ प्रवर्तक की उपाधि से विख्यात हुए। दान सम्बन्धित पुण्य का संग्रह करने के लिये नवधाभक्ति जानने योग्य है।

भगवान की ऋद्धि तथा तप के प्रभाव से राजमहल में बना भोजन अक्षीण (खत्म ना होने वाला, अक्षय) हो गया था। अतः आज भी यह तिथि अक्षय तृतीया के नाम से लोक में प्रसिद्ध है। ऐसा आगमोल्लेख है कि तीर्थंकर मुनि को प्रथम आहार देने वाला उसी पर्याय से या अधिकतम तीसरी पर्याय से मुक्ति प्राप्ति करता है। ऐसा भी कथन है कि तीर्थंकर मुनि को आहारदान देकर युवराज श्रेयांसकुमार ने अक्षयपुण्य प्राप्त किया था। अतः यह तिथि अक्षय तृतीया कहलाती है।

अक्षय तृतीया को लोग इतना शुभ मानते है कि इस दिन बिना मुहूर्त, लग्नादि के विचार के ही अबूझ सावा मानते हुए विवाह, नवीन गृह प्रवेश, नूतन व्यापार मुहूर्त आदि सभी शुभ कार्य करके गौरव मानते है। मान्यता है कि इस दिन प्रारम्भ किया गया नवीन कार्य नियमतः सुफल देता है।

अतः यह अक्षय तृतीया पर्व अत्यन्त गौरवशाली है तथा श्रेयांसकुमार द्वारा दानतीर्थ का प्रवर्तन कर हम सभी पर किये गये उपकार का स्मरण कराता है। एक मान्यता के अनुसार युधिष्ठिर को अक्षय तृतीया का महत्व बताते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि यह परम पुण्यमयी तिथि है। इस दिन स्नान, दान, तप होम और तर्पण करने से व्यक्ति अक्षय पुण्यफल का भागी होता है।

संकलन : भागचंद जैन,
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

वन्य जीवों को रास आ रही है हनुमानगढ़ जिले की आबोहवा

मोर सहित अन्य वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी से वन विभाग के अधिकारी व पर्यावरण प्रेमी खुश

हनुमानगढ़, (निसं)। जंगलों व वीरान जगहों पर निवास करने वाले वन्यजीवों को हनुमानगढ़ की आबोहवा खूब रास आ रही है। मोर सहित अन्य वन्यजीवों की संख्या में निरंतर हो रही बढ़ोतरी से वन विभाग के अधिकारी व पर्यावरण प्रेमी खुश हो रहे हैं। हर वर्ष वॉटर हॉल पद्धति के जरिए गणना के बाद हमारे जंगलों में निवास कर रहे जंगली जीवों की पहचान की जाती है। हनुमानगढ़ जिले की बात करें तो यहां मोर सहित अन्य वन्यजीवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसमें वर्ष 2013 में जिले में मोर की संख्या 1830 के करीब थी। इसकी संख्या अब बढ़कर 1892 हो गई है।

इसी तरह जिले में गत गणना रिपोर्ट के अनुसार 822 जरख, 304 मछुआरा बिल्ली, 537 लोमड़ी, 3532 रोजड़ा, 2450 चिंकारा, काला हिरण 1323 आदि विचरण कर रहे हैं। जंगली जीवों की बढ़ रही संख्या से जैव विविधता को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं वन विभाग की ओर से किए जा रहे प्रयास भी अहम हैं। जिला मुख्यालय के नजदीक कोहला वन क्षेत्र में गत एक दशक में पौधरोपण का कार्य बड़े स्तर पर किया गया है। इसके अलावा वन क्षेत्रों में पौंड भी बनाए गए हैं। वन्यजीवों के निवास को लेकर उचित माहौल मिलने की वजह से इन्हें यहां का हवा-पानी रास आ रहा है। यह उम्मीद लगाई जा रही है कि वर्ष 2024 में होने वाली वन्यजीवों की गणना के आंकड़े भी सकारात्मक रहेंगे। इसमें इनकी संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

हनुमानगढ़ में वन भूमि में विचरण करते हिरण।

पर्यावरण प्रेमी नरेश मेहन ने बताया कि पृथ्वी पर निवास करने वाले जीवों का असंतुलन होने पर कई तरह की दिक्कतें पैदा होती है। इसलिए जंगल व जंगली जीवन मानव जीवन के लिए अहम है। वहीं विभागीय अधिकारियों का दावा है कि आगामी गणना रिपोर्ट काफी पॉजिटिव रहेगा। निश्चित ही वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, क्योंकि वन क्षेत्रों का विकास जिले में लगातार हो रहा है। वन्यजीवों को यहां निवास करने के लिए उचित माहौल मिल रहा है।

वन विभाग के उच्चाधिकारियों की ओर से जारी निर्देश में बताया गया है कि वन विभाग की टीम वॉटर हॉल पद्धति से 23 व 24 मई को वन्यजीवों की गणना कार्य पूर्ण करेंगे। यानी जहां पर वन्यजीव नियमित रूप से प्यास बुझाने आते हैं, उन स्थानों पर जाकर टीमें गणना करेंगी। विभाग स्तर पर बीट को इकाई मानकर गणना करवाने की तैयारी है। ऐसे वॉटर हॉल्स, जहां पर अधिक संख्या में विभिन्न प्रजातियों के वन्यजीव आने की संभावना हो, वहां पर कैमरा ट्रेप लगाने का निर्देश दिया गया है।

कैमरा ट्रेप की खरीद को लेकर बजट के इंतजाम भी किए गए हैं। इसके अलावा वन्यजीवों की पहचान के लिए उनके फोटो भी गणना टीम में लगे कार्मिकों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा गया है। ताकि वन्यजीवों की गणना रिपोर्ट जमीनी तौर पर तैयार की जा सके। वन्यजीवों को उचित संरक्षण मिले, इसके लिए जिले में आगामी मानसून सीजन के लिए करीब दस लाख पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इनका वितरण करके इन्हें विभिन्न स्थानों पर लगाने का प्रयास किया जाएगा। इसे लेकर वन विभाग स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक भी संपन्न हो चुकी है।

■ जंगली जीवों की बढ़ रही संख्या से जैव विविधता को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं वन विभाग की ओर से किए जा रहे प्रयास भी अहम हैं

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पीके उपाध्याय की ओर से जारी निर्देश में बताया गया है कि वन्यजीवों की प्रजातिवार गणना करवाई जाए। साथ ही पूर्व के बरसों का अनुभव बताते हुए समय पर इसकी रिपोर्ट भिजवाने के लिए पाबंद किया गया है।

वन्यजीवों की पहचान के दौरान भ्रम की स्थिति होने पर तत्काल मोबाइल से इसकी फोटो भेजकर किसी विशेषज्ञ से पुष्टि करवाने को लेकर कहा गया है। धर्मपाल कस्वां, निरीक्षक, वन विभाग कार्यालय हनुमानगढ़ का कहना है कि जिले में वन्यजीवों की गणना रिपोर्ट पर नजर दौड़ाएंगे तो कुछ जीवों की संख्या बढ़ी है, जो पर्यावरण के लिहाज से अच्छा संकेत है। जिले में और जंगल विकसित करने का प्रयास है ताकि वन्यजीवों की संख्या बढ़ सके।

मानदेय को लेकर आंगनबाड़ी कर्मियों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। भारतीय मजदूर संघ से सम्बन्धित भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ भीलवाड़ा द्वारा जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया।

जानकारी देते हुये भामस के जिला मंत्री शैलेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि विगत 4 माह से केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाने वाला मानदेय आज दिनांक तक नहीं दिया गया है तथा चुनाव पूर्व सरकार द्वारा घोषणा की थी कि आंगनबाड़ी कर्मियों का मानदेय बढ़ायेंगे, लेकिन 10 प्रतिशत ही बढ़ोतरी की गयी जो कि इन कर्मियों के साथ कुठाराघात है।

■ केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाने वाले मानदेय देने सहित कई मांगें रखी

धरने को प्रभाष चौधरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मानदेय कर्मियों को इस सरकार द्वारा स्थाई किया जाना चाहिये। आंगनबाड़ी व भामस जिलाध्यक्ष रजनी शक्तावत ने कहा कि हमें ग्रेच्युटी के रूप में तीन लाख रूपये तथा 5000 मासिक पेंशन दी जावे। महामंत्री कमलेश हाड़ा ने कहा कि महिला पर्यवेक्षक के पद पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से पदोन्नित से भरा जावे तथा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला मानदेय एक साथ दिया जावे।

आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ भीलवाड़ा ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

धरने के दौरान पदमा शर्मा, हरीश सुवालका, रामेश्वर डीडवानिया, रंजना चौधरी, निर्मला तोलम्बिया, कृष्णा शर्मा, उमा शर्मा, नीतु वर्मा, विष्णु सेन, इन्द्रा आमेटा आदि उपस्थित रही।

16 मई से 27 ऐच्छिक विषयों की परीक्षा होगी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) परीक्षा, 2023 के तहत 27 विभिन्न ऐच्छिक विषयों की परीक्षा का आयोजन 16 से 24 मई तक एवं 28 मई से 2 जून तक निर्धारित कार्यक्रम अनुसार किया जाएगा। परीक्षा अंतर्गत सुबह 9 बजे से 12 बजे तक प्रश्न पत्र प्रथम एवं दोपहर 2:30 बजे से 5:30 बजे तक प्रश्न पत्र द्वितीय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। उक्त परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक के पांचवे विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व जारी किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

गर्मी एवं तापघात से बचने के लिए तैयारियों के निर्देश

■ लू एवं तापघात के प्रभाव से पीडित व्यक्ति के तत्काल उपचार की व्यवस्था, रेन बसेरों में विश्राम करने वाले परिवारों एवं व्यक्तियों को लू से बचाव के लिए पर्याप्त आवश्यक सुविधाएं तथा ठंडे पेयजल इत्यादि की व्यवस्थाएं की जावे

ब्यावर, (निसं)। मौसम विभाग की चेतावनी अनुसार जिले में गर्मी के मौसम में वर्तमान में भीषण लू एवं तापघात चल रही है । जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने भीषण लू एवं तापघात से निराश्रित लोगों, बेसहारा , खुले आसमान के नीचे सोने वाले व्यक्तियों के बचाव हेतु जिले के विभिन्न विभागों एवं उपखंड अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारी के निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी व्यक्ति की लू एवं तापघात के प्रभाव में आकर मृत्यु या बीमार न हो।

जिला कलेक्टर ने बचाव के लिए स्थाई एवं अस्थाई रेन बसेरों की व्यवस्था करने, रेन बसेरों में दिन के समय विश्राम करने वाले व्यक्तियों को बिछाने के लिए दरियों की व्यवस्था करने, खुले आसमान के नीचे स्थानों पर रहने वालों को रेन बसेरों में स्थानान्तरण करने के लिए आवश्यक वाहन की व्यवस्था करने, लू एवं तापघात के प्रभाव से पीडित व्यक्ति के तत्काल उपचार की व्यवस्था करने, रेन बसेरों में विश्राम करने वाले परिवारों एवं व्यक्तियों को लू से बचाव के लिए पर्याप्त आवश्यक सुविधाएं तथा पर्याप्त ठंडे पेयजल इत्यादि की व्यवस्थाएं की जावे ।उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि अस्थाई रैन बसेरो की सूची नगर परिषद ,नगर पालिका एवं उपखंड अधिकारी से प्राप्त कर विश्राम करने वाले व्यक्तियों को पर्याप्त आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयों की व्यवस्था, ओआरएस घोल के पैकेट एवं स्वास्थ्य की जांच कर मौके पर ही जीवन रक्षक औषधियां उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए।

लू एवं तापघात के लक्षण:- शरीर में लवण व पानी अपर्याप्त होने पर विषम गर्म वातावरण में लू एवं तापघात से सिर का भारीपन व अत्यधिक सिरदर्द होने लगता है। इसके अलावा अधिक प्यास लगाना, शरीर में भारीपन के साथ थकावट, जी-मिचलाना, सिर चकराना एवं शरीर का तापमान बढना, पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना, त्वचा का सूखा होना, अत्यधिक प्यास का लगना व बेहोशी जैसी स्थिति का होना आदि लक्षण आने लगते हैं। चिकित्सकीय दृष्टि से लू-तापघात के लक्षण, लवण व पानी की आवश्यकता व अनुपातविति के कारण होती है। ऐसे में रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लेटा दिया जाए। रोगी को होश मे आने की दशा मे उसे ठण्डा पेय पदार्थ पिलाएं। इस सावधानी के बाद भी मरीज ठीक नहीं होता है, तो उसे तत्काल निकट की चिकित्सा संस्थान ले जाया जाए।

जरूरी है सावधानी:- जिला प्रशासन ने आमजन से भीषण गर्मी के चलते अहतियात बरतने की अपील की है। जिला कलेक्टर ने कहा कि जहां तक सम्भव हो धूप में न निकलें, धूप में शरीर पूर्ण तरह से ढका हो। आमजन जब भी बाहर निकलें, छाता व पानी आदि की व्यवस्था अनुरूप घर से निकलें। धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले एवं सूती कपड़ों का उपयोग करें। बहुत अधिक भीड़ एवं गर्म घुटन भरे कमरों से बचें। बिना भोजन किए बाहर न निकलें। गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को गमछे या तौलिये से ढक कर ही जरूरी होने पर बाहर निकलें। रंगीन चश्में एवं छतरी का प्रयोग करें।

गर्मी मे हमेशा पानी अधिक मात्रा मे पिएं एवं पेय पदार्थो जैसे निंबू पानी, नारियल पानी, ज्यूस आदि का प्रयोग करें। लू तापघात से प्राय हाईरिस्क श्रेणी वाले लोग जैसे कि कुपोषित बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं एवं शुगर, बीपी आदि के मरीज शीघ्र प्रभावित होते हैं, इन्हें बाहर न निकलने दें और विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी जरूरत होने पर तत्काल 108 को कॉल करें। नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएं। नरेगा अथवा अन्य श्रमिकों के कार्यस्थल पर छाया एवं पानी का पूर्ण प्रबन्ध रखा जावे। जिससे श्रमिक थोड़ी-थोड़ी देर में छायादार स्थानों पर विश्राम कर सकें।

आर.पी.एस.सी. के बाहर शिक्षक संघ का प्रदर्शन

■ सचिव को सौंपा ज्ञापन, शिक्षकों को मिलने वाले ग्रीष्म अवकाश में ड्यूटी पर जताई नाराजगी

अजमेर, (कासं)। शिक्षकों को मिलने वाले ग्रीष्मावकाश में आगामी 16 मई से 2 जून तक आरपीएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन से शिक्षकों को मिलने वाला ग्रीष्म अवकाश समाप्त करने पर नाराजती जताते हुए बुधवार को आरपीएससी परिसर के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और सचिव को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा तिथियों में बदलाव और मानदेय बढ़ाने की मांग की।

राजस्थान शिक्षक संघ लोकतांत्रिक के प्रदेश, जिला व ब्लाक के प्रमुख पदाधिकारीयों ने संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक बृजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में गर्मी की छुट्टियों में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में बुधवार को आरपीएससी कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया तथा अपनी मांगों को लेकर आरपीएससी सचिव रामनिवास मेहता को ज्ञापन सौंप कर शिक्षकों के मानदेय बढ़ोत्तरी करने कुछ परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव करने की मांग की है।

पदाधिकारियों ने कहा कि आरपीएससी प्रतियोगी परीक्षाओं से शिक्षक को दिन भर लगभग 11 से 12 घंटे की ड्यूटी देनी पड़ती है और जिसका मानदेय गत 15 वर्षों से मात्र 250 दिए जा रहे हैं जो कि अत्यंत ही कम है। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रमेश आचार्य ने सचिव महोदय से वार्ता करते समय कहा कि या तो मानदेय यूपीएससी के बराबर किया जाए अन्यथा मानदेय के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जाए हमारा शिक्षक खुशी.खुशी ड्यूटी कर लेगा। सचिव मेहता ने पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि आरपीएससी द्वारा मानदेय बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

महिला अध्यक्ष शिव सुमन चौहान ने कहा कि अधिकतर महिला कार्मिकों की प्रतियोगी परीक्षा में ड्यूटी लगती है और उनको वर्ष भर लगभग 20 से 25 रविवार प्रतियोगी परीक्षाओं में ड्यूटी देनी पड़ती है जो सीधे सीधे श्रम कानून का भी उल्लंघन है। ज्ञापन में अन्य बिंदुओं में रविवार की एवज में क्षतिपूर्ति अवकाश दी जाएए दो पारी ड्यूटी में अल्पाहार व आने जाने का व्यय दिया जाएए विद्यालय के कार्मिकों को एक विद्यालय से दूसरे विद्यालय में लगाना बंद किया जाए और मानदेय का भुगतान उसी दिन हो जाए इस प्रकार की व्यवस्था की जाए।

संगठन ने निर्णय लिया कि विधानसभा अध्यक्ष देवनानी और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मिलकर उनको इस समस्या के बारे में अवगत कराया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में अक्षय दाधीच,अभय सिंह,रणजीत सिंह,देवेंद्र शर्मा,महेंद्र कुमार,गोविंद जोशी,शैलेन्द्र उपाध्याय,मुकेश शर्मा,आशीष शर्मा,नगेन्द्र सिंह,प्रदीप दीक्षित, मनोज वैष्णव,राजेश दुबे,प्रदीप अरजानी सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे।

भागवत कथा का आयोजन

अजमेर, (कासं)। आठ दिवसीय कथा के पांचवें दिन बुधवार को श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। भगवान की बाल लीलाओं में से सबसे श्रेष्ठ बाल लीला माखन चोरी की कथा वाचक पंडित दिनेश गुरु ने रौचक भाव से सुनाया। दिनेश गुरु ने श्रद्धालुओं को समझाया कि इसलिए हम सबको भी यह ध्यान रखना चाहिए कि बिना वस्त्र के स्नान नहीं करें। शरीर पर वस्त्र अवश्य होना चाहिए उसके बाद ही स्नान करें। स्नान को श्रेष्ठ स्नान और उत्तम स्नान कहते हैं। कथा वाचक ने गोवर्धन लीलाओं का वर्णन किया एवं भगवान श्री कृष्ण ने अपने सबसे छोटी उंगली पर गोवर्धन जी को धारण किया सभी ने गोवर्धन जी का पूजन किया एवं भगवान को छप्पन भोग लगाया गया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहितओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	5401702	सम्पत्ति पर ऋण	1. दीनदयाल गुर्जर 2. सुगनी गुर्जर 3. देव नारायण बिल्डिंग मैटीरियल्स प्रो. दीनदयाल गुर्जर	25.04.2024	5,90,401.76/-	अचल सम्पत्ति, अजमेरी गेट के पूर्व, राडी पार, नया शहर क्षेत्रफल 1280 वर्ग गज, किशनगढ, जिला-अजमेर, राजस्थान-305801 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-श्री गणेश जी की भूमि, उत्तर-हनुमान गणेश, गणपत, हनुमान, हरीओम, गणेश की भूमि

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है। ह./-

दिनांक- 09.05.2024
स्थान- अजमेर

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

विवेक धाकड़ की मौत के बाद विवादों का सिलसिला जारी

■ विवेक धाकड़ की पत्नी पर एक और एफआईआर सुभाष नगर पुलिस ने दर्ज की

■ अमेरिका से आई विवेक की बहन ने रिपोर्ट में मारपीट व अभद्रता के आरोप लगाये

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ के पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत के बाद पारिवारिक विवाद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। धाकड़ की पत्नी पर एक और एफआईआर सुभाषनगर पुलिस ने दर्ज की है। अमेरिका से यहां आई विवेक की बहन ने रिपोर्ट में मारपीट व अभद्रता के आरोप लगाये हैं।

सुभाषनगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुगेलैंड अमेरिका निवासी दीप शिखा ने रिपोर्ट दी कि अपने भाई विवेक धाकड़ की अकस्मात मौत की खबर सुनकर वह 6 अप्रैल को भारत आई। दीपशिखा ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पिता कन्हैयालाल धाकड़ की इस घटना के बाद तबीयत ठीक नहीं है। वे इस समय परिवारजन की उपस्थिति में ठीक महसूस कर रहे हैं।

5 मई को सुबह आठ-साढ़े आठ बजे के आसपास पद्मिनी धाकड़ ने परिवादिया के पिता के साथ बदत्तमीजी की और उनका भला-बुरा बोलने लगी। दीपशिखा ने पद्मिनी को ऐसा करने से मना किया तो पद्मिनी और उनकी बहनें कृष्णा मेहता व नर्मदा सिंह ने परिवादिया के साथ हाथापाई की, जिससे उसे सीधे हाथ पर चोट आई। नाखून से खंरौचा और धक्का भी दिया।

आरोप है कि पद्मिनी ने उसे यह भी धमकी दी कि तेरे पर केस दर्ज करके अमेरिका जाना भुला दूंगी। दीपशिखा ने आरोप लगाया कि उनकी भाभी पद्मिनी धाकड़ रोज किसी ने किसी बात को लेकर ताने मारती रही थी और सब कुछ होने के बाद भी परिवादिया के पिता व परिवारजन की तरफ किसी भी प्रकार की सिंपैथी, सहयोग अथवा धार्मिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रही थी। पुलिस ने दीपशिखा पत्नी वीरेंद्रसिंह धाकड़ की रिपोर्ट पर अपराध धारा 323, 341, 506 आईपीसी के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

पूर्व पालिकाध्यक्ष धर्मी चंद खटोड़ का निधन

बिजयनगर, (निसं)। पूर्व नगरपालिका विजयनगर के अध्यक्ष धर्मीचंद खटोड़ का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया।राजस्थान नगर पालिका चुनावमें बहलाव के बाद पहली बार सीधे जनता द्वारा 2010 के चुनाव मे जीत हासिल कर अध्यक्ष बने। 2010 से लेकर 2015 तक उनका कार्यकाल निर्विवाद रहा।

बुधवार प्रात:उनके निधन की सूचना से जैन समाज एवं भारतीय जनता पार्टी की राजनीति से जुड़े लोगों समर्थको में शोक की लहर फैल गई।बुधवार शाम खारी तट मोक्ष धाम परउनकी अंत्येष्टि की गई जैन समाज सहित विभिन्न समाजों के नागरिक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल हुए। नागरिकों ने उनके अंतिम दर्शन करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विद्यालयों का समय रहेगा 12 बजे तक

अजमेर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि अजमेर जिले में वर्तमान में गर्मी एवं लू का प्रकोप बढा है। आगामी दिनों में अत्यधिक गर्मी एवं लू के बढते प्रकोप की सम्भावना के मद्देनजर एवं बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए अजमेर जिले में सचालित समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों (सीबीएसई सहित) में गुरूवार 9 मई से कक्षा 12 तक की समस्त कक्षाएं दोपहर 12 बजे तक ही संचालित होगी। सभी विद्यालयों में ग्रीष्मवकाश शिविरा पंचांग के अनुसार 17 मई से यथावत रहेगा। आदेश की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

अजमेर, (कासं)। राज्य के अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) अशोक वर्मा ने जिले में विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक राम कुमार राव ने बताया कि राज्य के अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) अशोक वर्मा ने कार्यालय संयुक्त निदेशक आर्थिक एवं सांख्यकि विभाग, अजमेर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री वर्मा ने कार्यालय कार्मिकों साथ विभागीय कार्यो की समीक्षा की तथा जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण की प्रगति तथा पेंडेंसी शून्य करने के लिए निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने बताया कि वर्मा ने चिकित्सालयों में पेडिंग चल रहे ई-साईनों को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें चिकित्सालयों के उप रजिस्ट्ररों को पंजीकरण की प्रक्रिया समझाने तथा ई साईन पेंडेंसी समाप्त करने बाबत कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत खरवा तथा पीपलाज (मसूदा) का निरीक्षण कर जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीकरण बाबत् सम्बन्धितों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए। निरीक्षण टीम द्वारा सीएचसी जवाजा का भी निरीक्षण किया गया।

रामगढ़ तहसीलदार के चैम्बर की दो गाटर गिरी, तहसीलदार घायल

दो लकड़ी की गाटर तहसीलदार के आसपास गिरी और गाटरों के बीच तहसीलदार आ गए

अलवर, (निसं)। जिले के रामगढ़ तहसीलदार, नायब तहसीलदार उमेश चंद शर्मा, नायब तहसीलदार खेमचंद सैनी और एलडीसी ललित कुमार बुधवार को तहसीलदार के चैम्बर की दो गाटर व पंखा गिरने से बाल-बाल बच गये। हादसे में तहसीलदार घायल हो गये।

बुधवार को रामगढ़ तहसीलदार उमेश चंद शर्मा जिला कलेक्टर की वीसी के लिए नायब तहसीलदार और एलडीसी से वार्ता कर रहे थे कि तभी तहसील भवन में बने उनके चैम्बर की दो लकड़ी की गाटर तहसीलदार के आसपास गिरी और उन लकड़ी की गाटरों के बीच तहसीलदार आ गए। वे कुछ समझ पाते तभी छत का पंखा उनके सिर पर आकर गिरा जिससे वे घायल हो गए। उन्हें घायल अवस्था में रामगढ़ सीएचसी ले जाया गया, लेकिन चोट ज्यादा होने के कारण तहसीलदार को अलवर रैफर कर दिया गया।

तहसीलदार ने बताया कि तहसील भवन जर्जर हालत में है। इसके लिए कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन उनकी शिकायत पर आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया। वहीं इस हादसे के बाद तहसील का हर कर्मचारी अपने कमरे में घुसने से डर रहा है क्योंकि यह भवन पूरी तरह जर्जर है और यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

लोगों का कहना है कि हर विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र में अस्पताल, तहसील, पुलिस थाने को नए भवनों में शिफ्ट कर दिया है लेकिन रामगढ़ की दूषित राजनीति के चलते यहां आज तक कोई तरक्की नहीं हुई। ज्यादातर सरकारी भवन और स्कूलों का यही हाल है ये कभी भी गिर सकते हैं और यहां कभी भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

घायल अवस्था में तहसीलदार को रामगढ़ सीएचसी ले जाया गया।

- छत का पंखा भी उनके सिर पर आकर गिरा, जिससे तहसीलदार घायल हो गए
- घायल अवस्था में तहसीलदार को रामगढ़ सीएचसी ले जाया गया, अलवर रैफर किया
- हादसे के बाद कर्मचारियों में भय व्याप्त, कमरे में घुसने से डरने लगे

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले परिवादी ने 30 अप्रेल को थाने में एक युवक के शिकायत दी थी। युवक पर नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवायी थी। मामले को गंभीरता को देखते हुए एसपी देवेन्द्र कुमार विश्नोई, एएसपी दुर्गसिंह तथा सीओ रूद्रप्रकाश शर्मा ने थाना प्रभारी अरविंद चारण के साथ मिलकर टीम का गठन किया, जहां टीम ने जयसिंह पुत्र सतवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया कि 30 अप्रेल को पीड़िता के परिजन की ओर से युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया। जिसमें बताया कि पिछले 2 साल से आरोपी सतवीर सिंह गुर्जर उनकी 15 साल की नाबालिग बेटी को दोस्ती कर अश्लील वीडियो फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा है। ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म भी किया। मामले में मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया गया और कार्रवाई के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर टीम ने कार्रवाई करते हुए जिला दौसा निवासी सतवीर सिंह गुर्जर पुत्र जय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अजमेर में रहकर फिजियोलॉजिस्ट की पढ़ाई कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी से मामले में पूछताछ की जा रही है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in
Notice Inviting Bid
Bids for water transportation through tanker in Division Karauli is invited from interested bidders up to 15.05.2024 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2425A0111

S.N.	NIT NO.	UBN
1	02/2024-25	PHE2425WSOB00226
2	03/2024-25	PHE2425WSOB00227
01	Total work	02
02	Total Estimate Cost	30.00 Lac
03	Bid submission end date	15.05.2024
04	Bid opening date	16.05.2024

(Prahlad Meena) Executive Engineer
Public Health Engineering
Department Division Karauli
DIPR/C/3495/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
रानी बाजार, इण्डस्ट्रीयल एरिया, बीकानेर। फोन नं. 0151-2226475
ई-मेल-pheddriibkn@gmail.com
क्रमांक :- 429-39 दिनांक :- 03/05/24
ई-बोली सूचना संख्या 01 से 07/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 04.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 13.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 13.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 14.05.2024 को दोपहर 01.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी।
Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "23810 - Executive Engineer, PHED, District (Rural) Division II, Bikaner" के नाम सेएवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur के नाम सेएक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 07 कार्य है जिसकी कुल लागत 227.10 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 40.14 लाख है।

बोली संख्या	01	02	03	04	05	06	07
एसपीपीपी कोड संख्या	PHE2425 WSOB 00215	PHE2425 WSOB 00216	PHE2425 WSOB 00217	PHE2425 WSOB 00218	PHE2425 WSOB 00219	PHE2425 WSOB 00220	PHE2425 WSOB 00221

(नरेश कुमार रैगर) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर
DIPR/C/3478/2024

नौकरी के लिए 10वीं की फर्जी मार्कशीट लगाई

अजमेर, (कासं)। डाक विभाग की ग्रामीण डाक सेवा भर्ती-2023 में नौकरी पाने के लिए 10वीं की फर्जी मार्कशीट लगाने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा दस्तावेज सत्यापन के दौरान हुआ। फर्जीवाड़ा सामने आने पर मुख्य डाकघर अजमेर के पीआरआई ने अलवर निवासी अभ्यर्थी के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच थाना अधिकारी वीरेंद्र सिंह शेखावत द्वारा की जा रही है।

कोतवाली थाना अधिकारी वीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि गांधी भवन स्थित मुख्य डाकघर के पीआरआई अनुपम राठौड़ ने कोतवाली थाने में अलवर के एक अभ्यर्थी के खिलाफ नौकरी पाने के लिए दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज शिकायत में अलवर निवासी मंजू सैनी पत्नी संजय सैनी ने डाक विभाग द्वारा निकाली गई ग्रामीण डाक सेवा भर्ती-2023 के लिए अभ्यर्थी सैनी ने जो आवेदन प्रस्तुत किया गया था, फार्म में जो दस्तावेज लगाए थे उसमें 10वीं की मार्कशीट फर्जी पाई गई। पीआरआई राठौड़ ने बताया कि मामले का खुलासा आवेदन के लिए आए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सात्यापन के दौरान सामने आया है। वहीं जांच अधिकारी शेखावत ने कहा कि सरकारी नौकरी के लिए दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा करना भी अपराध की श्रेणी में आता है। अभ्यर्थी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपहरण मामले में दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन के निर्देशों पर गठित विशेष टीम व वृताधिकारी टोंक ने कार्यवाही करते हुए फिरौती के लिए किये गये अपहरण मामले में जयपुर से एक युवक व एक युवती को गिरफ्तार किया है। थाना कोतवाली के थानाधिकारी भंवरलाल ने बताया कि पिछले 2 अप्रेल को राहुल मीणा ने बताया कि उसके चचेरा भाई सोनु पुत्र पृथ्वीराम मीणा जो एक किराया के कमरे में रह रहा था, जिसको चार लड़के व एक लड़की बोलेरो कार में अपहरण कर ले गये तथा फिरौती रकम के 50000 रुपये बैंक खाते में डालने व रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। अपहरणकर्ताओं से पुलिस ने छुड़वा लिया था। दो आरोपी आकाश व मोहित को पूर्व में गिरफ्तार किया किया गया था। पुलिस ने नवल सिंह पुत्र हनुमान सिंह व कुमारी इन्द्र उर्फ इन्दु निवासी चौमू को जयपुर से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

बजरी से भरे डंपर ने युवक को कुचला, मौत

हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र के नानेर से जवाली जाने वाले रास्ते पर तालाब के यहां के बजरी से भरे डंपर ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसा इतना दर्दनाक था की युवक के शव के दो टुकड़े हो गए। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। सूचना मिलने पर झिराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पीपलू सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के पहुंचने के बाद चिकित्सक टीम से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को जब्त कर झिराने थाने में खड़ा करवाया है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नानेर के प्रधानाचार्य राधेश्याम नायक ने बताया कि निवाई तहसील की ग्राम पंचायत तुर्किया के गांव बंशीपुरा निवासी शिवप्रकाश पुत्र नानगराम मीणा स्थानीय विद्यालय में लैब असिस्टेंट के पद पर कार्यरत था। बुधवार को करीब 1 बजे विद्यालय की छुट्टी हो गई थी तथा सभी स्टॉफ अपने घरों को निकल गए थे। शिवप्रकाश भी छुट्टी के बाद टोंक जा रहा था। विद्यालय के स्टॉफ साथी शंकरलाल चौधरी से इस हादसे की सूचना मिली थी। वहां मौजूद लोगों के अनुसार करीब 1 बजकर 20 मिनट पर नानेर से टोंक जाते समय तालाब की पाल के यहां सामने से तेज रफ्तार में बजरी भरकर आ रहे डंपर की चपेट में आने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बाइक सवार शिवप्रकाश हेलमेट लगाकर ही सफर करता था। हादसे के दौरान भी वहां हेलमेट था।

घटना की सूचना पर मृतक के माता-पिता, भाई-बहन सीएचसी पीपलू पहुंचे। जहां शिवप्रकाश की मौत की खबर से उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहां मौजूद लोग, पुलिसकर्मी व अन्य परिजनों को ढांढस बंधाते हुए नजर आए।

राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि.,
जी-1/138, मालवीय औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302017 फोन : 0141-2751417
E-mail- raj_coop_press@yahoo.co.in Website : www.thecooperativepress.com
क्रमांक/राससमु/प्रशा/388-x/2024-25/ दिनांक 09.05.2024
NIB Code: SML2425A0001 **निविदा सूचना** NIB Ref. No.: RRSM/Tender/2024-25
मुद्रणालय द्वारा वर्ष 2024-25 (31.03.2025 तक) की अवधि के लिये समय - समय पर आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री क्रय / कार्य हेतु निम्नानुसार (टू बिड पद्धति द्वारा) निविदायें आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	विवरण	निविदा प्रक्रिया	अनुमानित राशि	बोली प्रतिभूति राशि	बिड शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	विभिन्न प्रकार के कागज का क्रय	ऑनलाईन	रू. 2000 लाख	रू. 40.00 लाख	रू. 1000	रू. 2500	28.05.2024
2	ऑफसेट मुद्रण कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 800 लाख	रू.16.00 लाख	रू. 1000	रू. 2500	28.05.2024
3	फ्लेक्स / बैनर्स हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 100 लाख	रू. 2.00 लाख	रू. 1000	रू. 1500	18.05.2024
4	मुद्रित सामग्री के बंधन कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 100 लाख	रू. 2.00 लाख	रू. 1000	रू. 1500	18.05.2024
5	ट्रांसपोर्टेशन कार्य	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
6	विभिन्न प्रकार के मिलमेड व हैण्डमेड फाईल कवर्स का क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
7	विभिन्न प्रकार के मुद्रित लिफाफे क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
8	मुद्रण सामग्री (प्लेट, केमिकल्स, फिल्म, स्याहियां आदि) क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
9	ओएमआर प्रिन्टिंग एवं बार कोड नम्बरिंग	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
10	विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक कवर्स का क्रय	ऑफलाईन	रू. 5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
11	डीटीपी कम्पोजिंग, स्क्रीन प्रिन्टिंग, स्टीकर मेकिंग इत्यादि कार्य	ऑफलाईन	रू. 5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 500	शून्य	15.05.2024
12	रद्दी/कतरन इत्यादि विक्रय	ऑफलाईन	रू.5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 200	शून्य	15.05.2024

1. ऑनलाईन निविदाओं हेतु बिड शुल्क रु. 1000/- राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि., जयपुर के नाम एवं प्रोसेसिंग फीस रू. 2500/- (क्रम सं. 1 व 2) एवं रु.1500/- (क्रम सं. 3 व 4) MD RISL के नाम से डीडी जमा करवाना होगा।
2. बिड/निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण व शर्ते निविदा प्रपत्र में तथा वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं मुद्रणालय की वेबसाईट www.thecooperativepress.com पर उपलब्ध है। ऑनलाईन बिड / निविदा वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जानी है।
3. ऑफलाईन निविदाएं (क्र.सं. 5 से 12) हेतु बिड शुल्क जमा कराकर निविदा प्रपत्र मुद्रणालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदाएं निर्धारित अंतिम तिथि को सायं 5.00 बजे तक मुद्रणालय में प्रस्तुत की जा सकेंगी। जिनकी तकनीकी बिड दिनांक 16 एवं 17 मई, 2024 को प्रातः 11.00 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएंगी।
4. बिड/निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में ली जा सकती है।
5. सामग्री क्रय/कार्य वर्ष भर समय - समय पर मुद्रणालय की आवश्यकतानुसार करवाया जायेगा।
6. विलम्ब से प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(मुरार सिंह जाड़ावत)
प्रबन्ध निदेशक

किसानों के रुपए लेकर फरार हुआ व्यापारी गिरफ्तार

हिंडौन सिटी, (निसं)। किसानों के 2-3 करोड़ रुपए लेकर फरार व्यापारी और 25 हजार के इनामी को नई मंडी थाना पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है, जिसे गिरफ्तार कर पुलिस बुधवार को नई मंडी थाना लेकर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने आरोपी व्यापारी से गहनता से पूछताछ भी की। डीएसपी गिरधर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

थाना प्रभारी रामकिशन यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हनुमान कॉलोनी निवासी परेश कुमार महाजन पर 25 हजार रुपए का इनाम भी है। थाना प्रभारी ने बताया कि कृषि उपज मंडी में आढ़त व्यापारी परेश महाजन किसानों की फसल को अपनी आढ़त की दुकान पर बेचता था। किसानों के फसल बिक्री के कुल रुपयों में कुछ रोकडी देकर शेष बड़ी राशि को 1-2 रूपया सैकडा के ब्याज पर उधार रख लेता था। इसी प्रकार 60-70 किसानों से करीब 2-3 करोड़ रुपए उधार कर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार 24 अप्रेल को परिवार के सदस्यों को और अपने घरेलू सामान को साथ लेकर फरार हो गया था। जिस पर किसानों द्वारा नई मंडी थाने में मामला दर्ज कराया गया। फरार व्यापारी की तलाश में पुलिस ने चन्दनपुर, पूना, बडौदरा, अहमदाबाद, रतलाम, कोटा, महाराष्ट्र व गुजरात में लोकेशन पर तलाश शुरू की। साइबर सेल के पुष्पेन्द्र की मदद से आरोपी को महाराष्ट्र के एक शहर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी में कांस्टेबल निरंजन, जोगेन्द्र की विशेष भूमिका रही। टीम में महू चौकी प्रभारी महेश चंद मीना भी शामिल हुए।

अजमेर नगर निगम ने दो व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स सीज किये

भवन मालिक ने राजनीतिक द्वेषता का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। शहर में अवैध निर्माणों पर बुधवार को नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो व्यावसायिक कॉम्प्लेक्सों को सीज किया है। मिस्टर चाय वाले की दुकान की बिल्डिंग के मालिक ने कार्रवाई को राजनीतिक द्वेषता बताया है।

नगर निगम के अधिकारी धर्मेन्द्र आनंद ने बताया कि जयपुर रोड के निकट कोठारी के व्यवसायिक परिसर की स्वीकृति नगर निगम द्वारा जारी की गई थी, लेकिन भवन मालिक द्वारा नक्शे के विपरीत जाकर निर्माण कार्य कर लिया। इसको लेकर निगम द्वारा भवन स्वामी को नोटिस जारी किए गए, लेकिन उसके द्वारा अवैध निर्माण को नहीं हटाया गया। इसी प्रकार जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के निकट सुभाष उद्यान के सामने शीतला माता मंदिर के पास गिरनार काम्पलेक्स के भवन स्वामी विजय तत्वेदी द्वारा वर्ष 2012 में नगर निगम से व्यावसायिक नक्शा स्वीकृत कराया था, निगम द्वारा ग्राउंड व प्रथम तल की स्वीकृति जारी की गई थी, लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा भवन में अतिरिक्त तल का निर्माण करते हुए बेसमेंट भी बना लिया। निगम द्वारा निर्माणकर्ता को नोटिस जारी कर अवैध निर्माण को हटाने के लिए कहा गया था, लेकिन भवन स्वामी द्वारा नोटिस पर अमल नहीं किया गया। बुधवार को उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अवैध निर्माण पर कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य को सीज कर दिया गया।

राजनीतिक द्वेषता का लगाया आरोप :- भवन मालिक विजय ने आरोप लगाया कि उनका निर्माण कार्य वर्ष 2016 से है इसके लिए नगर निगम से व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृत कराया गया था। स्वीकृति में 8.30 मीटर की स्वीकृति जारी की हुई है। हमारे द्वारा इतनी ही ऊंचाई पर निर्माण कार्य कर सुविधा अनुसार पार्टीशन कर रखा है जिसकी जानकारी नोटिस के जवाब में नगर निगम को प्रेषित की गई थी। मामले को लेकर न्यायालय में भी विचाराधीन है, लेकिन निगम प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में उनके विरुद्ध सीज की कार्रवाई की है। उनका कहना है कि उनके द्वारा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी ज्ञान सारस्वत का समर्थन किया गया था जिसके चलते उन पर करवाई की गई है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन 2- गुनियावाला पंचवटी, उदयपुर-313001
क्रमांक-F.32(B)(1)(AP)EX/L/2024-25-03000 part(6)/820
दिनांक: 08.05.2024
मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2024-25 के अनुसार नवीनीकरण से शेष रही कम्पोजिट मदिरा दुकानों के लिए ई-निविदा प्रक्रिया से बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 14.05.2024 प्रातः 10.00 बजे से
2	प्री-बिड मिटिंग का दिनांक व समय/ स्थान	दिनांक 15.05.2024 प्रातः 11.00 बजे संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।
3	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 21.05.2024 सांयकाल 4.00 बजे तक
4	तकनीकी बिड (अमानत राशि, आवेदन शुल्क, प्रोसेसिंग फीस जमा के दस्तावेज एवं निविदादाता की घोषणा) खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 21.05.2024 को सांयकाल 4.30 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।
5	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय व स्थान	दिनांक 21.05.2024 को तकनीकी बिड के तत्काल बाद संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।

ई-निविदा में भाग लेने की शर्तें-
1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं बेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओ के पास पूर्व में वैध डिजिटल सर्टिफिकेट है, उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है।
2. देशी मदिरा, राजस्थान निर्मित मदिरा (RML), भारत निर्मित विदेशी मदिरा (IMFL) एवं बीयर की कम्पोजिट दुकानों का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी राशि, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मदिरा दुकानों का चयन कर फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन / ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति संलग्न करनी होगी। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेखित राजकोष मद में जमा करवानी होगी :-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपय में)	राजकोष लेखा मद
1	RISL की प्रक्रिया/ पंजीकरण शुल्क	2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	निविदा के संबंध में जारी दिशा-निदेश एवं शर्तों की शर्त संख्या 6.11 के अनुसार रू. 1,00,000/- से लेकर रू. 2,00,000 तक (अनुमानित गारण्टी राशि के अनुसार)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	अनुमानित गारण्टी राशि की 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

4. निविदादाता द्वारा अनुमानित गारण्टी राशि से अधिक या कम की निविदा प्रस्तुत की जा सकेगी। अनुमानित गारण्टी राशि से अधिक राशि की निविदा प्राप्त होने पर उच्चतम निविदादाता के पक्ष में तत्काल स्वीकृति जारी की जायेगी। अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा, जो निविदादाता को मानना होगा। अनुमानित गारण्टी राशि की तुलना में कम प्रस्तावित गारण्टी राशि की निविदा को स्वीकार करने या बिना कारण बताये अस्वीकार करने के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त को होंगे।
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वॉछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
7. मदिरा दुकानों के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2024-25 तथा प्रारूप अनुज्ञापत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in व https://www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भाँति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
8. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।
9. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

UBN-EXC2425GLOB00007
DIPR/C/_____/2024
(अंश दीप)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान

मांडलगढ़ में बनास नदी में से बजरी का अवैध खनन जारी

बजरी का अवैध खनन करते 2 डम्पर और 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

माण्डलगढ़, (निसं)। काछोला व मांडलगढ़ इलाके में अवैध बजरी खनन और निर्गमन को लेकर खनिज विभाग और पुलिस लगातार गश्त कर छापेमारी कर रही है। इसी के चलते काछोला में ओवरलोड बजरी भरे दो डम्पर, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और मांडलगढ़ में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। इस कार्रवाई को लेकर बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया।

- मांडलगढ़ और काछोला थाना पुलिस ने की कार्रवाई, चालक वाहन छोड़ कर भागे

पुलिस और खनिज विभाग की टीम ने बजरी माफ़िया के खिलाफ सघन अभियान चला रखा है। अभियान के दौरान भी बनास नदी में माफ़िया गिरोह द्वारा लुकाछुपी कर बजरी का अवैध खनन और परिवहन किया रहा है। गश्त के दौरान मांडलगढ़ थानाधिकारी शिवचरण ने महुआ सड़क और काछोला थाना अधिकारी श्रद्धा पचौरी ने मांगठला के पास अवैध बजरी भरे दह वाहनों को जब्त कर थाने में खड़ा किया। काछोला थानाधिकारी ने बताया कि शक्करगढ़ थाना क्षेत्र से अवैध बजरी भरे डम्पर जा रहे थे। जिन्हें जब्त किया गया है। खनिज विभाग में बिजौलियां में एक ट्रेलर को डिटेन किया है। जिसके रवन्ना टीपी की जाँच की जा रही है।

खनिज अभियन्ता ने बताया कि अभियान के दौरान 13 वाहन, एक जेसीबी को जब्त कर 13 प्रकरण में 7.50 लाख राशि की पेनल्टी वसूली गई है। कार्रवाई के दौरान चालक वाहन छोड़ कर भाग गए। फोरमैन की रिपोर्ट पर अवैध बजरी खनन का केस दर्ज कर परिवहन विभाग से ओवरलोड़ पेनल्टी की भी कार्रवाई की जाएगी।

मांडलगढ़ थाना पुलिस ने बजरी भरे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किये।

दुधवा खुर्द बूथ पर हुआ 85.70 प्रतिशत पुनर्मतदान

बाड़मेर, (नि.सं.)। लोकसभा आम चुनाव (पुनर्मतदान) 2024 के अंतर्गत बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र की चौहटन विधानसभा में आने वाले के दुधवा खुर्द मतदान केन्द्र क्रमांक 50 पर पुनर्मतदान के दौरान 85.70 प्रतिशत मतदान हुआ।

FORM WIN 14
[See rule 20]
BEFORE THE NATIONAL COMPANY LAW TRIBUNAL BENCH AT JAIPUR
(Original jurisdiction)
In the matter of the Companies Act, 2013
And
IN THE MATTER OF
M/s PILANIWALA TEXTILE MILLS LIMITED
(IN LIQUIDATION)
(Company incorporated under the Companies Act,1956)
Company Petition No 317/271-272/JPR/2019
Pilaniwala Textile Mills Limited ....Petitioner
NOTICE OF WINDING UP ORDER
By an order made by the National Company Law Tribunal, Bench at Jaipur in the above matter dated the 08th day Of December 2023 it was ordered that the above-named Company be wound-up under the provisions of the Companies Act, 2013.
Dated: 07.05.2024
(RUVIT KUMAR), PROVISIONAL LIQUIDATOR,
OFFICIAL LIQUIDATOR ATTACHED TO THE RAJASTHAN HIGH COURT BENCH AT JAIPUR, " CORPORATE BHAWAN" G-6/7, RESIDENCY AREA, BEHIND HOTEL RAJ MAHAL, CIVIL LINES, JAIPUR- 302001

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com Contact No. 0151-2941473
No. 235-60 Date: 01/05/2024
Notice Inviting Bid : 01-05/2024-25
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 13.05.2024 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 142.75 Lacs. UBN No. PHE2425WSOB00176, PHE2425WSOB00177, PHE2425WSOB00178, PHE2425WSOB00179, PHE2425WSOB00180
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
Executive Engineer,
PHED, Distt (R) Div I Bikaner
DIPR/C/3491/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in
Notice Inviting Bid
Bids for water transportation through tanker in Division Karauli is invited from interested bidders up to 13.05.2024 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2425A0092

S.N.	NIT NO.	UBN
1	01/2024-25	PHE2425WSOB00186
01	Total work	01
02	Total Estimate Cost	20.00 Lac
03	Bid submission end date	13.05.2024
04	Bid opening date	14.05.2024

(Prahlad Meena) Executive Engineer
Public Health Engineering Department Division Karauli
DIPR/C/3475/2024

थर्ड अंपायर के लिए इस पर फैसला लेना मुश्किल काम था। उस समय मैच काफी अहम स्टेज पर था, ऐसान क्रिकेट में हो जाता है। हमारा इस पर एकदम अलग नजरिया है, आपको आखिर में थर्ड अंपायर के फैसले को मानना पड़ता है।

- कुमार संगकारा

आरआर के हैड कोच, सैमसन के आउट होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी नीरज चोपड़ा

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में होने वाले राष्ट्रीय फेडरेशन कप में भाग लेने की पुष्टि की है। 26 वर्षीय स्टार खिलाड़ी के 10 मई को प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा में होने वाले पहले चरण में अपने सत्र की शुरुआत करने के बाद भारत आने की संभावना है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, प्रविष्टियों के अनुसार नीरज चोपड़ा और किशोर कुमार जेना भुवनेश्वर में 12 मई से शुरू होने वाली घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

हैदराबाद की इस जीत से मुंबई इंडियंस बाहर

हैदराबाद ने लेफ्ट हैंडली ही लखनऊ को हराया

9.4 ओवर में बिना विकेट खोये बनाये 166 रन, हेड ने 89 और अभिषेक ने 75 रन

हैदराबाद, 8 मई। सनराइजर्स हैदराबाद ने -2024 के 57वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 10 विकेट से हरा दिया। टीम ने 166 रन का टारगेट 9.4 ओवर में बिना नुकसान के हासिल कर लिया। यह में 150 स्कोर का सबसे तेज रन चेज है। इस जीत से हैदराबाद (14 अंक) पॉइंट्स टेबल के तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि लखनऊ छठे स्थान पर फिसल गया है। हैदराबाद की इस जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस इस आईपीएल सीजन से बाहर हो गई है।

ट्रैविस हेड ने 30 बॉल पर नाबाद 89 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 28 बॉल पर नाबाद 75 रन की पारी खेली। दोनों ने 166 रन की शतकीय साझेदारी की। दोनों ने मिलकर 16 चौके और 14 छक्के जमाए। लखनऊ के गेंदबाज एक भी विकेट नहीं ले सके।

हैदराबाद के होमग्राउंड राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में लखनऊ ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 165 रन बनाए। से आयुष बडोनी ने नाबाद 55 और निकोलस पूरन ने नाबाद 48 रन की पारी खेली। दोनों के बीच 99 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान केएल राहुल ने 29 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने महज 12 रन देकर 2 विकेट झटके। कप्तान पैट कमिंस को एक सफलता मिली, उन्होंने क्रुणाल पंड्या को रनआउट भी किया।

आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की शुरुआत धीमी और खराब रही। उसने तीसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक (2) का विकेट गवां दिया। इसके बाद पांचवें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस (3) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। कप्तान के एल राहुल और क्रुणाल पांड्या ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में पैट कमिंस ने के एल राहुल (29) को नटराजन के हाथों कैच आउट करा दिया। 12वें ओवर में क्रुणाल पांड्या (24) रनआउट हुये। उसके बाद आयुष बदोनी और निकोलस पूरन ने पारी को संभाला।

संजू पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, 8 मई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर यहां अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से मिली 20 रन की हार के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमसन के अपराध की जानकारी नहीं दी गई है लेकिन यह दिल्ली के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 86 रन की पारी के दौरान अंपायरों के साथ बहस करने के लिए हो सकता है। जब शाई होप ने 16वें ओवर में बाउंड्री पर उनका कैच लपका और उन्हें आउट दिया गया तो उन्होंने अंपायरों के साथ बहस की।

सवाल यह था कि क्या कैच लेते समय होप का पैर सीमा रेखा को छू गया था। तीसरे अंपायर ने सैमसन को आउट दिया लेकिन रॉयल्स के कप्तान खुश नहीं थे। उन्होंने शुरुआत में पवेलियन की ओर चलना शुरू किया लेकिन फिर बीच में लौट आए और मैदानी अंपायरों से कुछ बातचीत की। आईपीएल ने बयान में कहा, "सैमसन ने आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.8 के तहत लेवल एक का अपराध किया है। उन्होंने अपराध और मैच रैफरी की सजा स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रैफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।"

आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.8 के तहत लेवल एक के अपराध में "अंपायर के फैसले से अत्यधिक, स्पष्ट निराशा जताना, खेल को फिर से शुरू करने या विकेट छोड़कर जाने में स्पष्ट देरी, टीवी अंपायर को रेफरल का अनुरोध करना और बहस करना या अंपायर से उसके फैसले को लेकर लंबी चर्चा करना शामिल है।"जयपुर में 10 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान रॉयल्स द्वारा धीमी ओवर गति के लिए भी सैमसन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

डेथ ओवर में कुलदीप की फिरकी में फंसी राजस्थान

नयी दिल्ली, 8 मई। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव इंडियन प्रीमियर लीग के 56वें मुकाबले में शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए डेथ ओवर में मैच का रुख बदलते हुये अपनी टीम को जीत दिलाई।

अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कुलदीप ने 25 रन देकर दो विकेट झटकर मैच का रुख बदलते हुए अपनी टीम को अंक तालिका में पांचवें पायदान पर पहुंचा दिया। उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। 222 रनों का पीछा कर रही आरआर की टीम के पास 18वें ओवर तक मैच जीतने का मौका था। आरआर को इस मुकाबले में 18 गेंद में 41 रनों की आवश्यकता थी। इस दौरान कप्तान ने कुलदीप को गेंद थमाई और उन्होंने इस ओवर में चार देकर दो विकेट लेकर आरआर की उम्मीद पर पानी फेर दिया।

मैच के बाद कुलदीप ने कहा, गुड लेंथ पर बॉल करना बहुत अहम है। जब आप डेथ ओवरों में गेंदबाज़ी करते हो, तो यही चुनौती होती है, विशेष रूप से तब जब आप जानते हो कि पावर हिटर्स आने वाले हैं। मैंने डॉनोवन फरेरा को देखा है और मैं उनके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका में खेला था। मैं जानता था कि वह बैकफुट खिलाड़ी है, तो बस मैंने उनको वहीं पर दूर रखने का प्रयास करने की मेरी योजना थी और मैंने उनको आउट कर दिया। इसके बाद बस मैं अपनी गति और लेंथ पर ध्यान देता रहा।

बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

सिलहट, 8 मई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब सिलहट में पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश का सामना करेगी तो उसका लक्ष्य मौसम से प्रभावित सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने अभी तक बल्लेबाजों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि अभी तक जो चार मैच खेले गए हैं उनमें से दो मैचों में बारिश के कारण ओवरों की संख्या कम कर दी गई थी। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 5.2 ओवर में केवल 29 रन का लक्ष्य हासिल करना था। इस तरह से बल्लेबाजों को अभी तक कम मौका मिला है।

वहीं भारत की तरफ से अभी तक केवल एक अर्धशतक शेफाली वर्मा (51) ने पहले मैच में लगाया था। स्मृति मंधाना का उच्चतम स्कोर 47 जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर का 39 रन है। यह प्रदर्शन टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन को अच्छी तरह से प्रदर्शित नहीं करता है विशेषकर तब जबकि अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश को करनी है। स्मृति और हरमनप्रीत गुरुवार को मौके का पूरा फायदा उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। हरमनप्रीत ने चौथे मैच में 26 गेंद पर 39 रन बनाए थे और वह उसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। खराब मौसम के कारण यह मैच 14 ओवर का कर दिया गया था।

पीएसजी को हराकर चैम्पियंस लीग के फाइनल में पहुंची डॉर्टमुंड

पेरिस, 8 मई। सारे पूर्वानुमानों को धता बताते हुए बोरूसिया डॉर्टमुंड ने किलियन एम्बाप्पे जैसे दिग्गजों से सजी पेरिस सेंट-जर्मेन को 1-0 से हराकर 2013 के बाद चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश किया। डॉर्टमुंड और पीएसजी के बीच मंगलवार को खेले गये मुकाबले में गोल दूसरे हाफ में डॉर्टमुंड के मैट हम्मेल्स ने जूलियन ब्रांट कॉर्नर से हेडर से गोल किया। डॉर्टमुंड मैच के आखिर तक अपनी इस 1-0 की बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबले में जीत दर्ज की। पीएसजी के दिग्गज खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने मैच के बाद कहा कि हम हमेशा पीएसजी में जीतना चाहते हैं, हमें गोल करना चाहिए था। हमारे पास गोल करने के मौके थे, जब आप ऐसा नहीं करते, जब आप दोनों छोर पर कुशल प्रदर्शन नहीं करते है तो आगे बढ़ना मुश्किल होता है।

महान फुटबॉलर माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी की नीलामी, 1986 वर्ल्ड कप में मिली थी

पेरिस, 8 मई। महान फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी फिर से सामने आ गयी है। अगुटेस हाउस ने कहा कि दशकों से गायब इस पुरस्कार की अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए इस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

माराडोनामेक्सिको सिटी में फाइनल में पश्चिम जर्मनी पर 3-2 की जीत के दौरान अर्जेंटीना की कप्तानी की। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड पर 2-1 की जीत में विवादास्पद 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 'सदी का सर्वश्रेष्ठ' गोल किया था। नीलामी घर ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ट्रॉफी अपनी विशिष्टता के कारण लाखों यूरो में बिकेगी। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। हालांकि बाद में यह ट्रॉफी गायब हो गई जिसने काफी अफवाहों को जन्म दिया। अगुटेस ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि यह एक पोकर मैच के दौरान खो गई थी या कर्ज चुकाने के लिए इसे बेच दिया गया था। अन्य लोगों का कहना है कि माराडोना जब इटैलियन लीग में खेल रहे थे तो उन्होंने इसे नेपल्स बैंक की एक तिजोरी में रखा था जिसे 1989 में स्थानीय अपराधियों ने लूट लिया था। सुधरकर मुख्यधारा से जुड़ने वाले माफिया के एक सदस्य द्वारा बताई गई कहानी के अनुसार ट्रॉफी को पिघलाकर सोना निकाल लिया गया था।

राजधानी

अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एन.ओ.सी. मामले को लेकर चिकित्सा मंत्री आज राज्यपाल से मिलेंगे

आर.यू.एच.एस. के वाइस चांसलर डॉ. सुधारी भंडारी को पद से हटाने को लेकर सरकार की ओर से सिफारिश कर सकते है

- **बताया जा रहा है कि गुरूवार को मामले को लेकर डॉ. भंडारी दिल्ली गए थे**

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी प्रकरण को लेकर गुरूवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत राज्यपाल कलराज मिश्र से मिलेंगे।

जानकारी के अनुसार मामले में सरकार की ओर से सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक पर कार्रवाई के बाद अब सरकार ने आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी पर कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है। सरकार मामले में डॉ. भंडारी को दोषी मानते हुए उनके खिलाफ भी कार्रवाई करना चाहती है। सरकार ने पहले ही उन्हें सोटो के चैयरमेन पद से हटा दिया है। वहीं अब आरयूएचएस के वाइस चांसलर के पद से भी हटाना चहाती है। इसके लिए सरकार रिपोर्ट तैयार कर राज्यपाल कलराज मिश्र को भेजने की तैयारी में है। चिकित्सा विभाग के अनुसार चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत गुरूवार को राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर मामले से अवगत कराएंगे। माना जा रहा है की सरकार डॉ. भंडारी को आरयूएचएस के वाइस चांसलर के पद से हटाने की राज्यपाल से सिफारिश करेगी। सूत्रों के अनुसार डॉ. सुधीर भंडारी बुधवार को दिल्ली गए है। माना जा रहा है कि वह अपना पक्ष केन्द्र सरकार के समक्ष रखेंगे। गौरतलब है कि इस मामले में सरकार ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा और एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा को दोषी मानते हुए उन्हें दोनों पदो से हटा दिया था।

मैड सफर कंपनी के डायरेक्टर व दलाल को जेल भेजा

उधर, अंग तस्करी और प्रत्यारोपण मामले में जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने बुधवार को मैड सफर नाम की कंपनी के डायरेक्टर सुमन जाना व दलाल सुखमय नंदी को कोर्ट में पेश किया, जहां दोनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में गिरफ्तार अन्य लोगों से लगातार पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस पूछताछ कर कड़ी से कड़ी जोड़ रही है।

इसके बाद इस मामले में फोर्टिस, मणिपाल और ईएचसीसी अस्पताल के कई डॉक्टरों की गिरफ्तारी संभव है। इस मामले में फरार रांची का दलाल मोहम्मद मुर्तजा अंसारी व राजकमल नायक जो कि इसी कम्पनी में काम करता था उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी है।

गौरतलब है कि किडनी ट्रांसप्लांट के लिए जयपुर के फोर्टिस और ईएचसीसी अस्पताल ने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए फरीदाबाद, दिल्ली की इसी कंपनी से एमओयू कर रखा था। यह कंपनी दलालों के जरिए बांग्लादेश से किडनी के डोनर व रिसीवर ढूंढती थी। सौदा तय होने के बाद उनके फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए जाते थे और उन्हें जयपुर भेजा जाता था।

ट्रांसप्लांट के लिए रिसीवर से रिकॉर्ड पर सिर्फ आठ से दस लाख रुपए लेना दिखाया जाता था। लेकिन वसूली पच्चीस से तीस लाख रुपए की होती थी। इस मामले में मैड सफर नाम की कंपनी के डायरेक्टर सुमन जाना व दलाल सुखमय नंदी को गिरफ्तार किया गया था।

डॉ.सुशील भाटी ने कार्यभार संभाला

उधर गुरूवार को सवाईमानसिंह अस्पताल के कार्यवाहक अधीक्षक सुशील भाटी ने अपना पदभार संभाल लिया। इस दौरान उन्होंने एसएमएस अस्पताल के प्रिंसीपल दीपक माहेश्वरी सहित कई डॉक्टरों ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले सालों में अस्पताल में कई काम हुए हैं। लेकिन अभी भी सुधार की जरूरत है जिन्हें टीम के पूरा किया जायेगा।

हीट वेव को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी के आदेश देने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में इन दिनों गर्मी का प्रकोप दिन ब दिन लगातार बढ़ता जा रहा है प्रतिदिन तापमान 40 डिग्री से अधिक जा रहा है, राजधानी जयपुर में मंगलवार को जहां 43 डिग्री तापमान रहा तो बुधवार को 44 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, भरतपुर, अलवर जैसे राज्य के अधिकतर जिलों में भी 40 या अधिक तापमान दर्ज हो रहा है, हीट वेव पड़ने से जहां छोटे विद्यार्थियों में स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें भी लगातार बढ़ने की खबरें आ रही हैं। वही अभिभावक भी हीट वेव की चपेट में आने से बीमार होने की भी खबरें आ रही है, हिट वेव के कारण केवल विधार्थी, अभिभावक ही नही बल्कि शिक्षक, प्रिंसिपल और अन्य कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य बिगड़ रहा है, ऐसी स्थिति को देखकर तत्काल राज्य सरकार को स्कूलों में अवकाश घोषित करने का निर्णय लेना चाहिए।

संयुक्त अभिभावक संघ प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कहा की प्रदेशभर में इन दिनों तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया जा रहा है, विद्यार्थी स्कूलों में जाने से कतरा रहे है, अभिभावक भी बच्चों का स्वास्थ्य ना बिगड़े इसलिए उन्हें स्कूल नही भेज पा रहे है, शिक्षक, प्रिंसिपल और अन्य स्कूल स्टाफ भी मजबूरी के चलते स्वास्थ्य से समझौता कर स्कूल आने पर मजबूर हो रहे है। शिक्षा विभाग को बढ़ते हिट वेव को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य संबंधी माहौल बिगड़ने से पूर्व ठोस निर्णय ले।

राज्यपाल ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को राष्ट्रपति निवास में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। राज्यपाल मिश्र की राष्ट्रपति मुर्मु से यह शिष्टाचार भेंट थी। वहीं मिश्र ने पूर्व उप प्रधानमंत्री, भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी के निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। उन्होंने शॉल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका अभिनंदन भी किया।

प्री-प्राइमरी टीचर भर्ती में नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

- **जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुनीता मीणा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए**
- **याचिका में कहा गया कि किसी भी भर्ती में अभ्यर्थी कब तक परिणाम का इंतजार कर सकता है?**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्री-प्राईमरी टीचर भर्ती-2018 की भर्ती प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं करने और अभ्यर्थी को नियुक्ति नहीं देने के मामले में प्रमुख महिला एवं बाल विकास सचिव, निदेशक समेकित बाल विकास विभाग और कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुनीता मीणा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 21 अगस्त, 2018 को प्री-प्राईमरी टीचर भर्ती निकाली थी। जिसका समय-समय पर परिणाम जारी किया गया।

इस दौरान 15 दिसंबर, 2021 को जारी परिणाम में याचिकाकर्ता का चयन हो गया, लेकिन याचिकाकर्ता को इसकी जानकारी नहीं हुई। याचिका में कहा गया कि किसी भी भर्ती में अभ्यर्थी कब तक परिणाम का इंतजार कर सकता है? इस भर्ती में कई बार परिणाम जारी किया गया। वहीं अब भी 1130 पद खाली चल रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता के दस्तावेज सत्यापन कर उसे नियुक्ति दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

चिकित्सा विभाग का निरीक्षण, जागरूकता अभियान आज

जयपुर। मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य और अन्य चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से राज्य में गुरूवार को विशेष निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान संचालित किया जायेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देशन में संचालित होने वाले इस अभियान के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध करवायी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों, लू-तापघात व गर्मी जनित बीमारियों के प्रबंधन संबंधी तैयारियों का सघन निरीक्षण किया जायेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव से लेकर ब्लॉक स्तरीय अधिकारी चिकित्सा संस्थानों का एक साथ निरीक्षण करेंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि गुरुवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य पोषण दिवस एक साथ हैं। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण सेवाओं का सघन निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही, मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर आमजन को जागरूक भी किया जायेगा।

सिंह ने बताया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से 27 आकांक्षी ब्लॉक का विशेष निरीक्षण करने के लिये राज्य स्तर से टीमों का गठन किया गया है।

मादक पदार्थ तस्करों को कारावास

जयपुर, (का.सं.)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने डोडा-पोस्त की तस्करी करने वाले अभियुक्त अमरजीत कुमार राय, कुंदन कुमार और रूकेश कुमार को 14 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीनों अभियुक्तों पर कुल 9 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्रकरण से जुडे एक आरोपी जगदीश के खिलाफ जांच लंबित चल रही है। जबकि एक अन्य भोपाराम फरार चल है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने गोपनीय सूचना मिलने पर 19 जनवरी 2022 को आगरा रोड स्थित राजाधोक टोल प्लाजा, बस्सी पर मणिपुर से आए एक ट्रक को रोका गया। इसकी तलाशी लेने पर उसमें मक्का और चापड़ से भरे कट्टों के बीच छिपाकर रखा 2395 किलो डोडा पोस्त मिला। ट्रक का मालिक व चालक भोपाराम था। टीम ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया। भोपाराम कोर्ट से जमानत मिलने पर फरार हो गया। वहीं सुनवाई के दौरान अमरजीत व रूकेश ने कहा कि वे मजदूर हैं, जबकि कुंदन ने ढाबे पर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे यात्री के रूप में केवल ट्रक में बैठकर आ रहे थे और उनकी मादक पदार्थ तस्करी में कोई भूमिका नहीं है।

एसपी कार्यालय सभागार में संपन्न हुई क्राइम मीटिंग

डीडवाना, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित एसपी कार्यालय के सभागार में बुधवार को डीडवाना के पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। एसपी कार्यालय में आयोजित अपराध गोष्ठी में डीडवाना एएसपी हिमांशु शर्मा, एएसपी कुचामन ताराचंद और एएसपी परबतसर वैभव शर्मा के साथ साथ सीओ डीडवाना धरम पुनियां, लाडनूं सीओ विक्की नागपाल, कुचामन के सीओ अरविन्द विश्नोई, मकराना सीओ भवानी सिंह के साथ साथ जिलेभर के सभी थानाधिकारीगण व अपराध सहायक मौजूद रहे। आज आयोजित अपराध गोष्ठी के दौरान पेंडिंग प्रकरणों का निस्तारण पुलिस मुख्यालय के अनुसार करने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये। महिला, बाल एवं यौन अपराधों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा निस्तारण निर्धारित समय अवधि में करने पर जोर दिया गया साथ ही संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु रात्रिकालिन प्रभावी गशत करने हेतु विशेष निर्देश दिये गये। बीट प्रणाली को सुदृढ़ करने के संबंध पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार बीट पत्रावलियों का संधारण करने हेतु जोर दिया गया। अवैध मादक पदार्थ, शराब तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई करने व वांछित अपराधियों की धरपक्कड हेतु अधिक से अधिक कार्रवाई करने के संबंध में निर्देश दिये गये।

वीडियोकोच बस से तीन किलो अफीम बरामद, दो गिरफ्तार

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की

अजमेर, (कासं)। गेगल थाना पुलिस व एटीएस (आंतकवाद निरोधक दस्ता) की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वीडियोकोच बस से मदाक पदार्थ अफीम की तस्करी करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 170 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की है।

- **गेगल थाना पुलिस व आंतकवाद निरोधक दस्ता ने संयुक्त कार्रवाई की**

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने खुलासा करते हुए बताया कि एटीएस यूनिट टीम प्रभारी खान मोहम्मद को सूचना मिली थी कि वीडियोकोच बस से मदाक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना पर टीम ने नेशनल हाइवे संख्या आठ पर टोल प्लाजा गेगल पर एटीएस नाकांबदी कर वीडियोकोच बस को रूकवाकर तलाशी ली गई तो यात्रा कर रहे दो यात्रियों द्वारा बिना परमिट व लाईसेंस के अवैध मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करते हुए राजसमंद निवासी रोशन कीर व प्रकाश बंजारा को हिरासत में लेकर थाने ले आई।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों तस्करों से पूछताछ की गई। जब दोनों तस्करों से मादक पदार्थ ले जाने के लिए परमीट के बारे में पूछाताछ की तो परमिट नहीं होना बताया, जिस पर टीम ने दोनों आरोपियों गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने जांच के दौरान एक आरोपी के पास दो किलो तथा एक के पास से एक किलो 700 ग्राम मदाक पदार्थ मिला। कुल 3 किलो 170 किलो अफीम जब्त की है, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों की पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस ने तस्करी करने वाले दो जनों को गिरफ्तार किया।

विश्व रेडक्रास दिवस कार्यक्रम का आयोजन

अजमेर, (कासं)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा अजमेर द्वारा बुधवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपक्षय में जेएलएन अस्पताल के सामने रेडक्रॉस भवन परिसर में कार्यक्रम आयोजन कर मनाया गया। मुख्य अतिथि पूर्व संभागीय आयुक्त सीआर मीणा व सीएमएचओ डॉ.ज्योत्सना रंगा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. ज्योत्सना रंगा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि रेडक्रॉस संगठन विश्व में मानव सेवा का कार्य कर रहा है, सोसायटी का गठन मानवता की सेवा के लिए ही किया गया था। इसी उद्देश्य के साथ सोसायटी काम कर रही है। रेडक्रॉस दिवस मनाने का उद्देश्य तभी सफल होगा जब हम जनसेवा के लिए तत्पर होंगे। मुख्य अतिथि सीआर मीणा ने कहा कि वर्तमान में त्रासदियों से जानमाल की हानि हो रही है तथा रेडक्रॉस ने मानवीय मूल्यों की रक्षा, त्रासदियों के लिये तैयारी व प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, सफाई व हाईजोन बनाने का फैसला लिया है। इस अवसर पर डॉ. लोकेश गुप्ता डीटीओ अजमेर ने क्षय एवं दमा रोग, डॉ.समीक्षा वर्मा ने आपदा प्रबन्धन में रेडक्रॉस का योगदान, सोसायटी के वाईस चेयरमैन सोमरत्न आर्य ने रक्तदान/ देहदान तथा संस्था के सचिव भगवान सिंह ने धार्मिक परिपेक्ष में सोसायटी के योगदान पर अपने विचार रखे।

16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 को

भीलवाड़ा, (निसं)। फूलमाली समाज का 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले की पिपलिया मण्डी तहसील स्थित टीलाखेड़ा में 10 मई शुक्रवार को आयोजित किया जायेगा।

पिपलिया मण्डी में आयोजित होने वाले माली समाज के 16वें सामूहिक विवाह सम्मेलन 9 मई को प्रात: 7 बजे गणपति स्थापना के साथ शुरू होगा। दो दिवसीय आयोजन के तहत प्रथम दिवस 9 मई को भगवान सालगराम की बारात आगमन सायं 5 बजे होगा। भगवान के बारात के आगमन पर समाजबंधुओं द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जायेगा। तत्पश्चात् सायं 5 बजे से वर-वधुओं का आगमन शुरू होगा। रात्रि को 8 से 10 बजे तक वर-वधुओं का आशीर्वाद समारोह आयोजित किया जायेगा। रात्रि 10 बजे भजन संध्या विशेष कलाकारों व भजन गायकों द्वारा प्रस्तुतिया दी जायेगी। इस सम्मेलन में 21 जोड़ों का सामूहिक पाणिग्रहण संस्कार आयोजित किया जायेगा। समारोह के दूसरे दिन 10 मई को प्रात: 7 बजे कलश यात्रा व सामूहिक बिन्दोली निकाली जायेगी।

तत्पश्चात् 11 बजे वर-वधुओं का स्वागत एवं तोरण की रस्म अदा की जायेगी। दिन में अतिथियों का स्वागत सम्मान के साथ-साथ वक्ताओं द्वारा समाज को संबोधन किया जायेगा। सायं 4 बजे सभी बारातियों की विदाई की जायेगी। फूलमाली चौखला पंचायत समाज के तत्वावधान में आयोजित 16 वे सामूहिक विवाह सम्मेलन में मंदसौर जिले सहित आस-पास के नीमच, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, धार जिले सहित कई आस-पास के गांवों से तकरिबन 10 हजार से भी ज्यादा लोग शामिल होगे।

बोलेरो पेड़ से टकराई, आठ जने घायल

मकराना, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कचरास में बोलेरो का सन्तुलन बिगड़ने से वह पेड़ से जा टकराई, जिससे उसमें बैठे आठ जने घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए राजकीय सामुदायिक केन्द्र छोटीखाटू लाया गया, जहां से घायलों का प्राथमिक उपचार कर हाई सेन्टर डीडवाना पर रैफर किया गया। जानकारी के अनुसार गाड़ी में सवार जगदीश (60) पुत्र रामकिशोर राजपुरोहित, सुमित (35) पुत्र ओमसिंह, सम्पत कंवर (55) पत्नी जगदीश सिंह, पुत्री पुखराज, मानवी (3) पुत्री रामवतार, पिंकी (32) पत्नी रामवतार, पूजा (22) पुत्री जगदीश सिंह, तरूण (14) पुत्र ओमसिंह, तमन्ना (14) घायल हो गए, जिनका छोटीखाटू में प्राथमिक उपचार कर रैफर किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोलेरो में सवार लोग अपने गांव मारोठ कुचामन से दधिमति माता के दर्शन करने के लिए जा रहे थे।

अंधेरी देवी के रा.उ.मा. विद्यालय का स्टॉफ स्वयं बना भामाशाह

मसूदा, (निसं)। प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया की अपील पर विद्यालय के नवीन भवन में भौतिक संसाधन जुटाने के हेतु विद्यालय स्टाफ द्वारा 1 लाख रुपए का प्राप्त हुआ आर्थिक सहयोगकहा जाता हैं कि कुछ कर गुजरने की दिल मे तमन्ना हो और खुद अपने को सहयोग के लिए आगे करे तो जो भी करना चाहे वह किया जा सकता है। एक ऐसा ही उदाहरण ब्यावर जिले के मसूदा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी क्षेत्राधिन अँधेरी देवरी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समूचे स्टाफ द्वारा विद्यालय के लिए भामाशाह बनकर आर्थिक सहयोग देने का सामने आया है। दरअसल आज बुधवार को अंधेरी देवरी के नवीन विद्यालय भवन में प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया के सानिध्य में विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में एसडीएमसी सदस्य, भामाशाह , जनप्रतिनिधि व गांव के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में विभिन्न बिंदुओं पर हुई चर्चा नवीन विद्यालय भवन में विद्यालय स्थानांतरण, प्रवेशोत्सव एवं नामांकन वृद्धि, पेयजल सुविधा, नवीन सत्रारंभ एवं विद्यालय विकास हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आपसी विचार विमर्श किया।

प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया ने अब तक नवीन विद्यालय में हुए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्यालय स्टाफ द्वारा 1 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान कर दो पानी के होंद, शौचालय मूत्रालय ,विद्यालय भवन के चारों ओर तारबंदी का कार्य कराया गया। नवीन विद्यालय भवन में भौतिक संसाधन जुटाने के लिए प्रधानाचार्य ने सभी से आर्थिक सहयोग प्रदान करने की अपील करते हुए प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया ने 5100 रूपये का आर्थिक सहयोग प्रदान कर सहयोग देने की शुरुआत की तो ,5100 रुपये मिट्ठू लाल धोधावत, 6100 रुपये विजय करण राणा,5100 रुपये सुरेश चन्द धोधावत,11000 रुपये सरपंच प्रतिनिधि एवं समाज सेवी जवान सिंह रावत ,5100 रुपये समाज सेवी नरेंद्र सिंह रावत ,7100 रुपये पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह रावत उर्फ भग्गू भाई, 25000 रुपये राजेन्द्र सिंह ठेकेदार 25000 रुपये वरिष्ठ अध्यापक गिरधारी लाल नवाल, 25000 रुपये वरिष्ठ अध्यापक मनीष शर्मा आदि ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

सवा साल पहले जैन मुनि पर लगाए आरोप बेबुनियाद

अजमेर, (कासं)। बिजयनगर के बहुचर्चित जैनमुनि आचार्य सुदर्शनलाल महाराज पर सवा साल पहले लगे गंभीर आरोपों को लेकर बुधवार को बिजयनगर की महिला स्नेहलता ने प्रेसवार्ता आयोजित कर जैन आचार्य पर लगे गंभीर आरोपों को बेबुनियाद और निराधार व झूठा बताया। महिला ने नानक श्रावक संघ समिति के पदाधिकारियों द्वारा रचित षडयंत्र का भी खुलासा किया।

बिजयनगर निवासी महिला स्नेहलता ने बुधवार अजमेर में प्रेस वार्ता आयोजित कर मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जैन आचार्य सुदर्शन लाल महाराज के साथ मेरा पुत्र 7 सालों से साथ रह रहा था, जो आरोप नानक श्रावक संघ समिति बिजयनगर के पदाधिकारीयों ने षड्यंत्र पूर्वक मुझे व मेरे बेटे को मोहरा बनाकर तथा प्रलोभन देकर मेरे द्वारा जैन मुनि पर गंभीर आरोप लगवाए गए थे। वो सभी आरोप झूठे और निराधार है। महिला स्नेहलता ने षड्यंत्र रचने वाले नानक श्रावक संघ समिति बिजयनगर के चार पदाधिकारियों के नामों का भी खुलासा किया है। महिला ने बताया कि नानक श्रावक समिति के पदाधिकारी गुमान सिंह कर्णावत गोतम विनायका, पदमचंद खाबिया, सुरेन्द्र कुमार पिपाड़ा, नवल सिंह जैन है। इन लोगों ने ही मुझे और मेरे बच्चे गुमराह कर हमारा दुरुपयोग किया। आचार्य के खिलाफ जो भी आरोप लगे वो हमारी जानकारी में नहीं थे।

- **नानक श्रावक संघ समिति के पदाधिकारी के रचित षड्यंत्र का किया खुलासा**

प्रलोभन का दिया लालच:- महिला स्नेहलता ने बताया कि मेरे पुत्र को सुरेन्द्र पिपाड़ा के घर बुलाकर दबाव बनाकर रिकॉर्डिंग की गई और मुझे प्रलोभन देकर हमारे से आचार्य सुदर्शन लाल महाराज पर गंभीर आरोप लगवाए। उन आरोपों का मैं पूर्णत: खंडन करती हूं। आचार्य सुदर्शन लाल महाराज ने जैन समाज में भगवान महावीर के अहिंसा व सत्य, अपरिग्रह का संदेश देते आए है।

जैनमुनि को आचार्य व संत जीवन से हटाने का रचा था षडयंत्र:- महिला ने प्रज्ञा एजुकेशन ग्रुप के निदेशक डॉ.नवल सिंह जैन ने स्नेहलता से दो साल से जासूसी कराई, महिला ने डॉ.जैन पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी गलती से मेरा व मेरे बेटे का भविष्य खराब हो रहा था, जिसका में पूर्ण होश हवास व बिना किसी दबाव के पश्चताप करते हुए खुलासा किया है, अब तक महाराज पर लगे जो आरोप थे वे सभी आरोप षड्यंत्र पूर्वक लगाए गए थे। महाराज कि छवि खराब करके उनको आचार्य के पद व संत जीवन से हटाने का जो समिति के चार पदाधिकारी का सोचा समझा षड्यंत्र था। वो महाराज को अपने रास्ते से हटाना चाहते थे। और जैन समाज के करोड़ो रूपये कि सम्पति को हड़पना चाहते है। बेदाग संत पर जो आरोप लगाए वो बिल्कुल निराधार है।

एसडीएम को नाले पर अतिक्रमण हटाने को लेकर ज्ञापन सौंपा

मसूदा, (निसं)। बुधवार को मसूदा उपखंड अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत को नाले पर अतिक्रमण हटाने को लेकर ज्ञापन सौपा। ज्ञापन शिकायत कर्ता जानकी देवी ने बताया कि ग्राम नगर की ग्राम शिखरानी द्वितीय पटवार हल्का शिखरानी स्थित भूमि संख्या 3348 रकबा 0.5177 हेक्टेयर किस्म बा 03 हैं जो मेरी खातेदारी भूमि है और मुझ पार्थिया भूमि के लगता हुआ उतरी व पश्चिमी दिशा में बरसाती नाला प्राकृतिक बहाव क्षेत्र है जिसको बाबूलाल प्रजापति निवासी ग्राम शिखरानी उक्त बरसाती नाले पर तारबंदी कर अतिक्रमण कर लिया है और बरसाती नाला प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में मिट्टी डालकर बहाव क्षेत्र को अवरुद्ध करने पर आमादा है । जिस बाबत मुझ पार्थिया ने उक्त व्यक्ति को कहा कि तुम बरसाती नाले को अवरुद्ध क्यों कर रहे हो बरसात के समय उक्त बहाव क्षेत्र अवरूद्ध हो जाने से सारा बरसाती पानी मेरे खेत में आ जाएगा और मेरी फसल गल कर नष्ट हो जाएगी। जिस पर उक्त व्यक्ति मुझ पार्थिया से गाली गलौज करने लग गया और मारपीट करने पर आमादा हो गया और कहने लगा कि इस बरसाती नाले में मिट्टी डालकर इस पर अपना कब्जा करूंगा और यदि तूने मेरे खिलाफ किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई की तो मैं तेरे हाथ पैर तोड़कर तुझे जान से खत्म कर इसी बरसाती नाले में गाड दूंगा।

जे.सी.बी. मशीन की मदद से 11 बीघा भूमि से हटाया अतिक्रमण

बेशकीमती भूमि पर गरजा पीला पंजा, भूमाफिया ने काट रखी थी अवैध कॉलोनी

केकड़ी, (निसं)। अजमेर रोड़ पर आईटीआई कॉलेज के सामने स्थित बेशकीमती सिवायचक भूमि से बुधवार को अतिक्रमण हटाया गया है। इस भूमि पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर कॉलोनी काटकर भूखंड़ बेच दिए थे। रामपाली गांव के ग्रामीणों ने पिछले दिनों सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटाकर भूमाफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर जिला कलक्टर श्वेता चैहान, सरवाड़ उपखण्ड अधिकारी व सरवाड़ तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा था।

इस भूमि पर गरीब वर्ग के लोग रहते है। जिनका कहना है कि पिछले कुछ दिनों से रात के समय में भूमाफिया वाहनों में सवार होकर आते है। और उन्हें कब्जा खाली करने की धमकी देते है। जिला कलक्टर के आदेश पर बुधवार को राजस्व विभाग के अधिकारियों ने सिवायचक भूमि का नाप चैप कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस जाप्ता भी मौजूद रहा। दो जेसीबी मशीन से सिवायचक भूमि पर काबिज कच्चे अतिक्रमण को हटाया गया।

केकड़ी में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया गया।

जेसीबी मशीन की सहायता से सरकारी भूमि के चारों और नींव खोद कर सीमाकंन किया गया है। भूमि के चारों और जल्द ही तारबंदी कराई जाएगी। सरपंच प्रतिनिधि सांवरलाल गुर्जर ने बताया कि उपखण्ड प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत की जमीन से अतिक्रमण हटाने की सूचना दी गई। जिस पर पंचायत प्रशासन द्वारा जेसीबी मशीन उपलब्ध कराई गई है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान गिरदावर,पटवारी सियाराम सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

11 बीघा भूमि से हटाया अतिक्रमण-अजमेर रोड़ पर स्थित जिस बेशकीमती भूमि से अतिक्रमण हटाया जहां पर एक प्रभावशाली भूमाफिया ने कब्जा कर अवैध कॉलोनी काट कर भूखंड़ बेचान कर दिए। भूमाफिया ने सरकारी भूमि पर काटी गई कॉलोनी के भूखंड की रजिस्ट्री भी करवा दी। ग्राम पंचायत प्रशासन के दखल के बाद जैसे ही मामला सामने आया तो भूखंड़ खरीददारों के पैरों तले जमीन खिसक गई। अब भूखंड़ खरीददार अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे है। वहीं भूमाफिया भूमिगत हो गए।

- **ग्रामीणों ने पिछले दिनों सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटाकर भूमाफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर जिला कलक्टर श्वेता चैहान, सरवाड़ उपखण्ड अधिकारी व सरवाड़ तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा था**

सेन विकास समिति के नवीन सेन अध्यक्ष मनोनीत

बिजयनगर, (निसं)। सिद्धार्थ कॉलोनी स्थित सेन मंदिर परिसर में मंगलवार शाम को सेन समाज विकास समितिके सदस्य पदाधिकारी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व सम्मति से नवीन सेन को अध्यक्ष मनोनीत किया गया । समाज की सर्वसम्मति से नव मनोनीत अध्यक्षनवीन सेन का समाज के लोगो ने साफा पहनकर पुष्पमालाओं से स्वागत किया। अध्यक्ष चुने जाने पर नवीन सेन ने उपस्थित समाज का आभार व्यक्त करते हुए समाज को एक जुट कर सभी को साथ लेकर समाज के हित में कार्य करने की बात कही ।उन्होंने समाज के विकास, के लिये शिक्षा को बढ़ावा देने,सामाजिक कुरीतियों को दूर करनेके लिये निरंतर प्रयास करने एवं समाज के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास का भरोसा दिलाया। आयोजित बैठक में शंभू लाल भाटी, घेवरचांद, गणपत लाल भाटी, सत्यनारायण सेन, अनिल वर्मा, कालू सेन, महावीर सेन, बाबूलाल सेन, विनोद सेन, किशन गोपाल सेन, जगदीश सेन, दुर्गा लाल सेन, गोपाल सेन, जितेंद्र सेन, महावीर सेन, विनोद सेन, नोरत सेन, प्रहलाद सेन, प्रवीण कुमार सेन व सुबोध सेन सहित समाज के गणमान्य मौजूद रहे ।

- **समाज के लोगों ने नवीन सेन को साफा पहनाकर स्वागत किया**

सार-समाचार

झपट्टा मारकर आरोपी हुए फरार

बांदनवाड़ा, (निसं)। कस्बे में सुबह करीब 8 बजे बालिका के जाते हुए पीछे से मोटर साईकिल पर दो सवार व्यक्तियों ने बालिका के पीछे से लूट के इरादे से झॉंपट मारने की घटना सामने आई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार भिनाय निवासी बालिका अजमेर रोड़ पर स्थित हिदाया कम्युनिकेशन कार्यालय पर जॉब करती है जो सुबह भिनाय वाली बस से उतरकर अपने ऑफिस जा रही थी कि बैंक के पास राहुल ई मित्र के सामने पहुंची कि तभी पीछे से मोटर साईकिल पर सवार होकर दो जने आए जिन्होंने बालिका को पीछे से गले पर झपट्टा मारा जिस पर बालिका ने अपने आपको सँभालते हुए चिलाई तो मोटर साईकिल पर सवार दोनों अजमेर रोड़ की तरफ भाग गए। एकाएक हुई घटना से बालिका काफ़ी डर गई और वो ये समझ ही नहीं सकी कि आखिर आरोपियों का घटना को अंजाम देने के पीछे क्या उद्देश्य रहा। बालिका के साथ हुई घटना के सम्बन्ध में उसने पुलिस चौकी भिनाय में रिपोर्ट भी प्रस्तुत की है। क्या कहते हैं चौकी प्रभारी गिरधारी सिंह -बालिका की तरफ से रिपोर्ट प्राप्त हुई है। जिससे घटना छेड़छाड़ की प्रतीत हो रही है। जाँच की जा रही है।

कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एंव अजय शर्मा (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाडा के निर्देशानुसार आज विशाल भार्गव (अपर जिला न्यायाधीश) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाडा ने जिला कारागृह भीलवाडा का निरीक्षण किया। जेल अधीक्षक भैरू सिंह राठोड एवं डा.अभिषेक शर्मा से बंदियो के स्वास्थय तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली । जेल परिसर में स्थित रसोईघर का भी निरीक्षण कर बंदियो को दिये जा रहे भोजन की गुणवता की भी जांच की गई। बंदियो से उनकी समस्याओं के बारे मे जाना और किसी बंदी के अधिवक्ता नहीं होने पर वह विधिक सहायता हेतु निशुल्क अधिवक्ता हेतु आवेदन करने के बारे में बताया गया। विशाल भार्गव ने महिला बंदियों के बैरक का निरीक्षण कर महिला बंदियों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली एवं उनके प्रकरणों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर डा.अभिषेक शर्मा , जेलर हिरा लाल , जेलर स्वीटी स्टेला एवं अन्य उपस्थित थे।

मंदिर में सोने के आभूषण चोरी

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र के रलायता गांव के चारभुजा मंदिर में दिनदहाड़े अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। मंदिर में घुसे चोर प्रतिमा पर चढ़ाए गए सोने के पांच लाख की राशि के आभूषण ले उड़े। दिन दहाड़े हुई चोरी की की वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। बिजौलियां क्रय-विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश जाट ने बताया कि रलायता गांव के चारभुजा मंदिर की प्रतिमा पर लगे सोने के आभूषण बुधवार दोपहर अज्ञात बदमाश ले उड़े। मूर्ति पर चढ़ाए गए करीब 6 तोला सोने के आभूषण चोरी होने की जानकारी मिलने पर मंदिर पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। कई ग्रामीणों आसपास के इलाके में चोरों की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इस घटना को लेकर ग्रामीणों की सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौके पर पहुँची और मौका निरीक्षण किया। वारदात को लेकर आक्रोशित ग्रामीण बीगोद थाने पहुंचे और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मंदिर पुजारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

विदाई समारोह का आयोजन

मकराना, (निसं)। ए. डी. जे. मकराना कुमकुम का स्थानांतरण नोहर, हनुमानगढ़ में होने पर बार संघ मकराना की ओर से विदाई समारोह का आयोजन गणगौर होटल मकराना में किया गया। समारोह में नवनियुक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट पूनम योगी का स्वागत भी किया गया। समारोह में ए.डी जे कुमकुम ने कहा कि बार और बैंच का सामंजस्य बहुत सराहनीय रहा है। ऐसे ही सामंजस्य आगे भी बनाये रखें। इसी प्रकार बार संघ के संरक्षक गणपतलाल टांक, अध्यक्ष सगीर अहमद बेहलीम व भवंराराम डुडी ने कहा कि मकराना एडीजे कोर्ट की प्रथम न्यायाधीश कुमकुम ने नये एवं युवा अधिवक्ताओं को जिस प्रकार से प्रोत्साहन दिया है उससे मकराना में युवा अधिवक्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। शेख अकबर अली व पेनल अधिवक्ता व महासचिव तलत हुसैन हनीफी ने कहा कि एडीजे कुमकुम ने ताल्लुका विधिक सेवा समिति मकराना के अध्यक्ष पद पर रहते हुए लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को काफी राहत प्रदान की है।

गांधी बने डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर

अजमेर, (कासं)। लायंस इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 में सेवा और संस्कार से सुसज्जित वर्ष 2024-25 की प्रांतीय कार्यकारिणी टीम की घोषणा में प्रांतपाल श्यामसुंदर मंत्री ने वर्ष 2024-25 के लिए एमजेएफ लायन राजेंद्र गांधी को डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर नियुक्त किया हैं । उल्लेखनीय हैं कि श्री गांधी पिछले तीन वर्षो से लायंस के प्रचार प्रसार का प्रांतीय दायित्व निभा रहे हैं, लायंस छवि निर्माण में कार्य करने के कारण उन्हें इस वर्ष महत्वपूर्ण पद पर सुशोभित किया गया है। इस कार्य में राजस्थान एवम् मध्यप्रदेश प्रांत के लगभग 160 क्लबों के लायंस के प्रचार प्रसार में सहयोग करना हैं । उल्लेखनीय है कि राजेंद्र गांधी वर्तमान में एडिशनल डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर के रूप में पदासीन हैं। साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों से जुड़ कर सेवा कार्यों में रत है।

अज्ञात बदमाश जेवर चुराकर फरार

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। गांधीनगर थाना अंतर्गत ढाणी रोड पर अज्ञात बदमाश सूने मकान का ताला तोड़कर घर के बाहर बनी दुकान से करीब पांच लाख कीमत के जेवरात चुराकर फरार हो गये। पीड़ित घनश्याम सोनी ने बताया कि परिजनों सहित जागरण में भाग लेने के लिये गांव सिंणगारा गये हुए थे। पिछे से अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गये और घर के बाहर बनी ज्वैलर्स दुकान में सेंधमारी कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर फरार हो गये। साथ ही शातिर चोर मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर व वाईफाई का डोंगल ले गये। गांधीनगर थाना पुलिस नें आषाढ़ ज्वैलर्स के मालिक घनश्याम सोनी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शोभायात्रा निकाली

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। राज. ब्राह्मण महासभा की और से 10 मई को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। महामंत्री बालमुकुंद शर्मा में बताया कि प्रात: 8 बजे डाक बंगला से शुरू शोभायात्रा मुख्य मार्गो से होती खांण्डल छात्रावास पहुंचेगी। अध्यक्ष मनीष कोषीक, प्रदेश उपाध्यक्ष रामचन्द्र हरितवाल, जिला महामंत्री सुशील दाधीच तिलोनिया, संयोजक पवन प्रधान, भंवर चोटिया, जगदीश मंगलीहारा, बालकिशन शर्मा आदि ने बैठक में सभी तैयारियो को अंतिम रूप दिया।

परिंडे लगवाए जाएंगे

परबतसर, (निसं)। शासन सचिव के निर्देशानुसार परबतसर पंचायत समिति की समस्त ग्राम पंचायत एवम ग्राम में पशु-पक्षियों के चारा, दाना-पानी की व्यवस्था किए जाने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। विकास अधिकारी कविता जसोरिया ने बताया कि उक्त निर्देशानुसार ग्राम पंचायत के प्रत्येक राजकीय कार्यालयों में पक्षियों के लिए पेड़ों पर परिंडे लगवाए जाएंगे।

आम सूचना

मैं सुरेंद्र कुमार पुत्र रामकरण भादू यह बयान करता हूं कि मेरी पुत्री कोमल चौधरी मेरे कहने सुनने में नहीं है अत: आज दिनांक 8/5/2024 से मैं उसे मेरी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं।

पता-सुरेंद्र कुमार,
दादाभाई कॉलोनी, अजमेर।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

क्रमांक/न.पा.बि./भूमि/2024/583 **लोक सूचना** दिनांक : 8-5-24

श्री प्रमोद मेघवंशी पुत्र श्री रतनलाल निवासी ग्राम बरल द्वितीय तहसील बिजयनगर जिला ब्यावर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वाचन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा सं.	क्षेत्र
जिला ब्यावर तहसील बिजयनगर	नगर	1330/111	0.1349 हैक्टर (1613.54 वर्गगज) आवासीय प्रयोजनार्थ

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों को साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप को अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, बिजयनगर

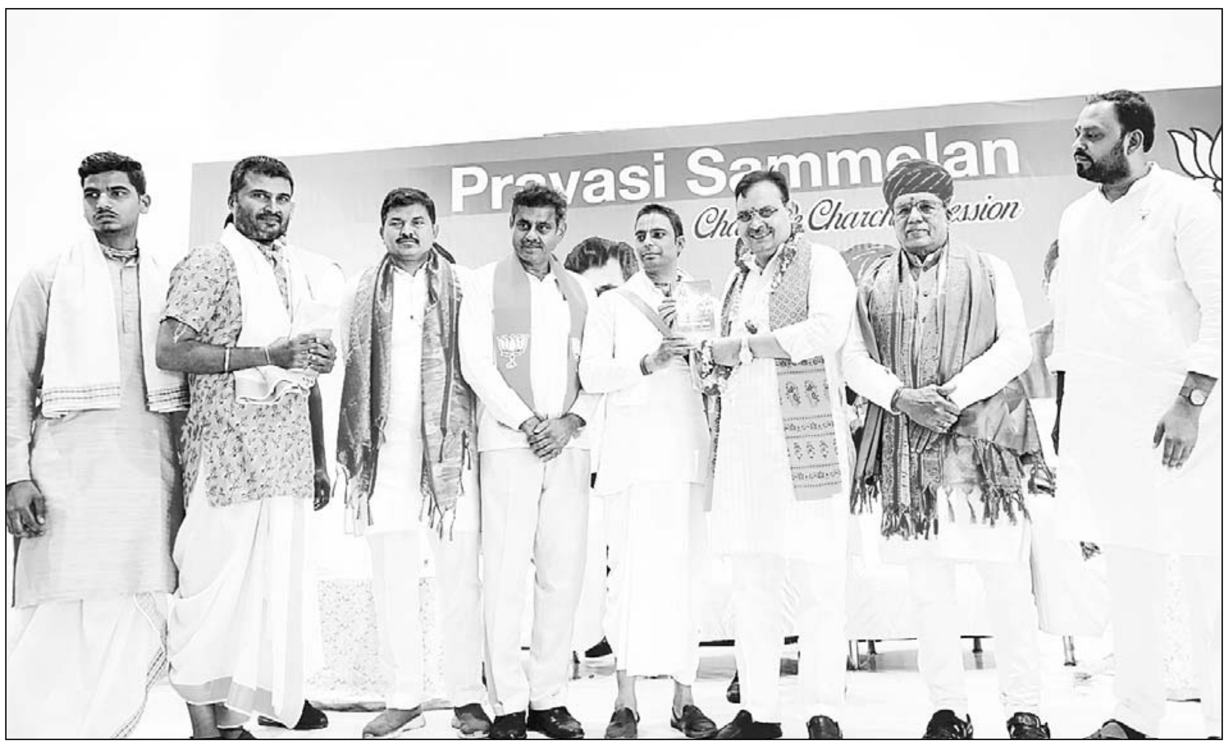

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को हैदराबाद के चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र में प्रवासी राजस्थानियों के साथ ''चाय पर चर्चा'' कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री विगत दो दिनों से तेलंगाना प्रवास पर हैं और वहां विभिन्न सभाओं एवं कार्यकर्ता सम्मेलनों के जरिये पार्टी के लिए प्रचार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मु.मंत्री ने अपने संबोधन में प्रवासी राजस्थानियों से भाजपा प्रत्याशी कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी को जिताने की अपील की।

मु.मंत्री भजनलाल ने तेलंगाना में प्रवासी राजस्थानियों से ''चाय पर चर्चा'' की

हैदराबाद, 8 मई (का.सं.)। तेलंगाना दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल बुधवार को हैदराबाद चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानियों के साथ ''चाय पर चर्चा'' कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार जनता को गुमराह करने के लिए फेक वीडियो बनवा रही है। ये लोग मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हुए चुनाव के समय नए-नए हथकण्डे अपना रहे हैं, लेकिन जनता सच जानती है। तेलंगाना में जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। त्रस्त जनता भाजपा को प्रचण्ड बहुमत देने का मन बना चुकी है तथा लोकसभा चुनावों में यहां भाजपा भारी मतों से विजयी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवादी घटनाएं, तुष्टिकरण की राजनीति और घोटालों का आए दिन सामना करना पड़ता था लेकिन मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में परिस्थितियां बदलीं तथा देश विकास के पथ पर अग्रसर होता चला गया।

- **मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों से भाजपा को जिताने की अपील की और उनकी तारीफ करते हुए कहा कि, राजस्थानी जहाँ भी गए हैं उन्होंने समाज सेवा का बीड़ा उठाया है।**
- **मुख्यमंत्री ने तेलंगाना सरकार पर चुनाव क समय फेक वीडियो बनवा कर जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया है।**

उन्होंने कहा कि कांग्रेस से देश के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि, संसाधनों का सबसे अधिक प्रयोग मुस्लिम वर्ग के कल्याण के लिए किया जाए, जबकि हमारे प्रधानमंत्री इस तरह की तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी ने आज़ादी के बाद से ही केवल एक ही परिवार को आगे बढ़ाया है। वो लोग बाबा साहब की बात करते हैं लेकिन कांग्रेस ने हमेशा उनको जलील किया तथा कभी कांग्रेस पार्टी से टिकट भी नहीं दिया। रियासतों का एकीकरण करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को भी कांग्रेस भूल गई। कांग्रेस को राष्ट्र की चिंता ना होकर केवल एक ही परिवार की चिंता है।

उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पार्टी घोषणा पत्र में केवल घोषणा ही करती है तथा किसी भी वादे को पूरा नहीं करती है जबकि प्रधानमंत्री मोदी जी ने संकल्प पत्र में किए गए अपने प्रत्येक वादे को समयबद्ध पूरा किया है। शर्मा ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनि तथा संतों ने देश की संस्कृति को बनाए रखा है। पुरातन समय में कुशाण, हुण जैसे विदेशी आक्रमणकर्ता आए लेकिन हमारी संस्कृति को मिटा नहीं पाए, जबकि, उनकी भी संस्कृति हमारे देश की सभ्यता में समाहित हो गई। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव ही देश की इसी सांस्कृतिक पहचान को विश्व में आगे बढ़ाया है। उन्होंने सोमनाथ, महाकाल, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तथा यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ व केदारनाथ सहित देश के सभी बड़े सांस्कृतिक एवं धार्मिक केन्द्रों को संवारने का काम किया है। मोदी ने वर्षों से टैंट में रह रहे रामलला की 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य प्राण-प्रतिष्ठा कर करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रवासी राजस्थानी किसी भी जगह जाएं परोपकार की भावना उनमें सदैव निहित रहती है। आपने हर क्षेत्र में समाज सेवा का बीड़ा उठाया है। राजस्थान की मिट्टी तथा संस्कारों से प्रवासी राजस्थानियों को यह सीख मिली है। उन्होंने आ ान किया कि, 2024 का यह चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है तथा प्रवासी राजस्थानी अपने कर्तव्य का ध्यान रखते हुए अपनी वोट की ताकत को पहचानें और लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी को भारी मतों से विजयी बनाएं।

डीप फेक तकनीक पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुँचे पत्रकार रजत शर्मा

रजत शर्मा ने अपनी याचिका में दलील दी है कि, डीप फेक वीडियो के जरिये गलत सूचनाओं का प्रचार आज के समाज के लिए सबसे ''भयानक'' खतरा है

नई दिल्ली, 8 मई (वार्ता)। वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा की ओर से देश में डीपफेक तकनीक पर गैर-नियमन के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को नोटिस जारी किया।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से केंद्र सरकार से जवाब मांगा तथा पूछा कि क्या वह इस मुद्दे पर कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

इंडिया टीवी के अध्यक्ष और प्रधान संपादक रजत शर्मा ने अपनी जनहित याचिका में कहा कि डीपफेक तकनीक का प्रसार गलत सूचना और दुष्प्रचार अभियान सहित समाज के विभिन्न पहलुओं के लिए महत्वपूर्ण खतरा है।

डीपफेक सार्वजनिक संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता को नुकसान पहुंचाता है, धोखाधड़ी और पहचान की चोरी में संभावित उपयोग के साथ-साथ व्यक्तियों की प्रतिष्ठा और गोपनीयता को नुकसान पहुंचाता है।

- **याचिकाकर्ता ने कहा, ये सभी खतरे तब और बढ़ जाते हैं जब किसी प्रभावशाली व्यक्ति, जैसे राजनेता, खिलाड़ी, अभिनेता या जनता की राय को प्रभावित करने वाले किसी अन्य सार्वजनिक व्यक्ति का डीपफेक बनाया जाता है।**
- **याचिकाकर्ता ने सरकार से सभी सोशल मीडिया माध्यमों को संबंधित व्यक्ति से शिकायत प्राप्त होने पर डीपफेक को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश जारी करने की भी मांग की। याचिकाकर्ता ने यह भी मांग की है।**

याचिकाकर्ता ने कहा,ये सभी खतरे तब और बढ़ जाते हैं जब किसी प्रभावशाली व्यक्ति जैसे राजनेता, खिलाड़ी, अभिनेता या जनता की राय को प्रभावित करने वाले किसी अन्य सार्वजनिक व्यक्ति का डीपफेक बनाया जाता है। यह खतरा उस व्यक के मामले में और ज्यादा बढ़ जाता है जो रोज टीवी पर दिखाई देता है और जिसके बयानों पर जनता भरोसा करती है।

रजत शर्मा ने कहा कि इनके दुरुपयोग से जुड़े संभावित नुकसान को कम करने के लिए सख्त प्रवर्तन और सक्रिय कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है। डीपफेक तकनीक के दुरुपयोग के खिलाफ पर्याप्त विनियमन और सुरक्षा उपायों की अनुपस्थिति से संविधान के अंतर्गत प्रदान किए गए मौलिक अधिकारों पर एक गंभीर खतरा उत्पन्न होता है, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, गोपनीयता और निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार शामिल है।

याचिकाकर्ता ने अदालत से हस्तक्षेप करने और केंद्र सरकार को निर्देश देने का आग्रह किया जिससे वह एप्लिकेशन, सॉफ्टवेयर, प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों तक सार्वजनिक पहुंच की पहचान और अवरुद्ध कर सके, जो डीपफेक के निर्माण को सक्षम बनाता है। याचिकाकर्ता ने सरकार से सभी सोशल मीडिया माध्यमों को संबंधित व्यक्ति से शिकायत प्राप्त होने पर डीपफेक को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश जारी करने की भी मांग की। याचिकाकर्ता ने यह भी मांग की कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डीपफेक के निर्माण को सक्षम बनाने वाले प्लेटफॉर्म और वेबसाइट यह खुलासा करें कि सामग्री एआई द्वारा वॉटरमार्क या किसी अन्य प्रभावी पद्धित से बनायी गई है।

रविन्द्रनाथ टैगोर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचय दे दिया है।

कविवर रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी ऐसी विभिन्न मानव जातियों का हवाला दिया था जो भारत में घुलमिल गई थीं। उन्होंने एक राष्ट्र, जो भारत है क सृजन में विभिन्न नस्लों, धर्मों और विचारों के समागम का जिक्र किया था।रविन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी प्रसिद्ध कविता ''भारत तीर्थ'' में पृथ्वी के विभिन्न किनारों से भारत में पहुंचने की बात की है, ताकि उनकी पृथक पहचान समाप्त हो जाए। उस कविता की कुछ पंक्तियों के अंश यहाँ प्रस्तुत है।

''कौन जानता कहाँ से बह कर
सागर में विलीन हुआ,
यहाँ आर्य और यहीं अनार्य
यहाँ द्रविड़ व चीन,
शक, हूण, पठान, मुग़ल
सब हुए एक में लीन''

टैगोर का वर्गीकरण भी वैसा ही था जैसा पित्रोदा का है, लेकिन टैगोर का संदर्भ थोड़ा उदार है और उसमें विविधता की स्वीकृति है।

यू.पी. में मायावती से प्रत्याशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महाराष्ट्र की कांग्रेस सरकार में मंत्री रह चुके हैं। बसपा ने यहां से श्रीकला को टिकट दिया था, जो एक स्थानीय दबंग व्यक्ति धनंजय की पत्नी है, लेकिन अमित शाह के कहने पर मायावती ने श्रीकला का नाम ड्रॉप कर दिया क्योंकि बाहरी उम्मीदवार कृपा शंकर स्थानीय ठाकुर महिला के सामने चुनाव हार जाते।

श्रीकला के स्थान पर बाद में श्याम सिंह यादव को टिकट दिया गया।

बस्ती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से बसपा ने एक ब्राह्मण प्रत्याशी दया शंकर मिश्रा को चुनाव मैदान में उतारा था, लेकिन अमित शाह के दबाव में मिश्रा को बदलकर एक कूर्मी प्रत्याशी लवकुमार पटेल को टिकट दिया गया, ताकि भाजपा के ब्राह्मण प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो सके।

भाजपा सूत्र स्वीकार करते हैं कि वर्ष 2014 और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी ने उत्तर प्रदेश की कुल 80 में से क्रमश: 71 और 62 सीटें जीती थी, लेकिन इस बार इस राज्य में शायद 50 सीटें भी ना जीत सके। इसीलिए भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले अमित शाह को मायावती को प्रभावित करने के काम लगाया गया ताकि वे राज्य में भाजपा की मदद कर सके। बसपा ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 13 सीटें जीती थीं।

मायावती ने अभी कुछ छह माह पूर्व ही अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, लेकिन सोशल मीडिया साइट ''एक्स'' पर मंगलवार को डाली गई एक पोस्ट में मायावती ने घोषित किया कि आकाश आनंद जब तक परिपक्व नहीं हो जाते उन्हें पद नहीं दिया जाएगा।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि चुनावी रैलियों में आकाश लोकप्रियता प्राप्त कर रहे थे जो अमित शाह के लिए एक चिंता का विषय था क्योंकि यू.पी. में भाजपा को होने वाला कोई भी नुकसान पार्टी द्वारा जीती जाने वाली कुल सीटों की संख्या को प्रभावित कर सकता है।

'आपको कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री को ई.डी. और सी.बी.आई. को इन उद्योगपतियों के पास भेजने को कहा। उन्होंने कहा, ''जितनी जल्दी हो सके जांच पूरी करवाइये,'' उन्होंने आगे कहा कि, वे अपनी पार्टी के उस वायदे पर कायम हैं कि, मोदी ने जो धन उद्योगपतियों को दिया था, उसी धन से वह, गरीबों और जरुरतमंद समुदायों को लखपति बनाएंगे।

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में एक रैली में कहा, ''गत पांच वर्षों से कांग्रेस का शहजादा एक ही लाईन की रट लगाये हुआ है। राफेल मुद्दे के धराशायी होने के बाद से ही उसने एक नया मुद्दा पकड़ लिया। पांच सालों से वह, भारतीय उद्योगपतियों को अपशब्द बोल रहा है। पहले उसने पांच उद्योगपतियों को लक्षित किया था लेकिन अब अंबानी और फिर अडाणी पर ही केन्द्रित हो गया।''

उन्होंने पूछा कि, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद से कांग्रेस इन दो दिग्गज व्यवसायियों को कोसना क्यों बंद कर दिया है?

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रस पर अपने नवीनतम हमले और उद्योगपतियों पर एक असामान्य ताना कसते हुए कहा, ''मैं तेलंगाना की धरती से, कांग्रेस के शहज़ादे से पूछना चाहता हूँ। शहज़ादा बताए कि अंबानी और अडाणी से काले धन से भरे कितने बोरे, उन्हें मिले। कांग्रस को कितना पैसा मिला, कितने टैम्पों भरकर काला धन आया? रातों-रात, कांग्रेस शहजादे के साथ ऐसी क्या डील हुई कि, उन्होंने अंबानी और अडाणी को कोसना बंद कर दिया। उनको, देश को जवाब देना होगा।

बाड़मेर में तापमान 46 डिग्री पार, प्रदेश के सात शहरों में 45 डिग्री की तपन

जयपुर, 8 मई। राजस्थान में बुधवार को गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के सात शहरों में दिन का तापमान 45 डिग्री सैंटिग्रेड का पार कर गया।

मौसम केन्द्र की मानें तो गुरुवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं तीव्र हीटवेव और जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग में 10 मई तक हीटवेव जारी रहने की संभावना है। बाड़मेर में सर्वाधिक 46 डिग्री सैंटिग्रेड तापमान दर्ज यिा गया। जालोर में 45.5 डिग्री, फलौदी में 45.4 डिग्री,

जैसलमेर में 45.2डिग्री, जोधपुर सिटी में 45 डिग्री, अंता बारां में 45.3 डिग्री, गंगानगर में 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। जयपुर में तापमान 42.8 डिग्री सैंटीग्रेड तापमान ने जयपुरवासियों को दिनभर बेचैन किया।

गर्मी से बचाव को लेकर शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ रही। गर्मी के बचाव के लिए लोग तरह-तरह के जतन करते नजर आए। बाजार भी दोपहर में सूने नजर आए। तेज गर्मी का असर देर शाम तक रहा।

- **जोधपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हीटवेव जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग में 10 मई तक हीटवेव जारी रहने की संभावना।**
- **जालोर में 45.5 डिग्री, फलौदी में 45.4 डिग्री, जैसलमेर में 45.2डिग्री, जोधपुर सिटी में 45 डिग्री, अंता बारां में 45.3 डिग्री, गंगानगर में 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।**

वहीं मौसम विभाग ने सलाह देते हुए कहा है कि, जरूरी काम हो तो ही घर से निकलें। पर्याप्त पानी पिएं, सिर को टोपी या हेडगियर से ढककर रखें, सीधी धूप में बाहर जाने से बचें। मौसम केन्द्र के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ भागों में 10 मई को दोपहर बाद मेघगर्जन के साथ आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

पेपर लीक में आरोपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी। डी.जी.पी. की रिपोर्ट आए बिना ही निचली अदालत के पास इन 12 आरोपियों की हिरासत को अवैध मानने का कोई आधार नहीं था। यह विस्तृत जांच का विषय था। ऐसी स्थिति में एक समान प्रकरण में दो अलग-अलग प्रकार के निर्णय देना उचित नहीं था।

राज्य सरकार की ओर से याचिका में कहा गया कि आरोपी एस.ओ.जी. की अवैध हिरासत में नहीं थे और उन्हें पूछताछ के बाद ही गिरफ्तार किया गया था। राज्य सरकार के विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा ने कहा कि, आरोपियों से 2 अप्रैल को पूछताछ हुई थी और उस समय उन्हें अवैध हिरासत में नहीं लिया था। पूछताछ के बाद ही 3 अप्रैल को उन्हें गिरफ्तार किया और 24 घंटे की अवधि में कोर्ट में उनकी पेशी कर दी गई। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा उनकी कोर्ट में पेशी करने में किसी भी कानूनी प्रावधान की अवहेलना नहीं की गई है।

वहीं आरोपियों की ओर से कहा गया कि, एस.ओ.जी. ने आरोपियों को आर.पी.ए. से उठाया और अपने पास अवैध हिरासत में रखते हुए उन्हें बाद में गिरफ्तार दिखाकर अदालत में पेश किया। ऐसे में, निचली अदालत की ओर से आरोपियों को रिहा करने का आदेश सही है।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए डी.जी.पी. को जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

रायबरेली में प्रियंका गांधी का रोड शो: जबरदस्त भीड़ जुटी

प्रियंका गांधी ने जनता से अपने भाई को वोट देने की अपील की

रायबरेली/नई दिल्ली 8 मई (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के समर्थन में बुधवार को उनके संसदीय क्षेत्र रायबरेली में जबरदस्त रोड शो कर जनता से अपने भाई को वोट देने की अपील की और कहा कि राहुल गांधी ही देश में बदलाव ला सकते हैं। प्रियंका वाड्रा ने रायबरेली के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा,इस देश के प्रधानमंत्री सवालों से डरते हैं। लोकतंत्र पर आज खतरा है। राहुल जी का आप साथ दो, राहुल जी बदलाव लाएंगे। रायबरेली ने हमेशा लोकतंत्र बचाने की लड़ाई की नींव रखी है। आपने आंदोलन की नींव रखी है। आप को जागरूक होना है और राहुल जी का साथ देना है। उन्होंने कहा,मोदी सरकार देश के बड़े-बड़े खरबपतियों को देश की सारी संपत्ति सौंप रही है। टीवी पर जो दिखाया जा रहा है, वो देश की सच्चाई नहीं है। असलियत ये है कि नरेंद्र मोदी खरबपतियों की सरकार चला रहे हैं और देश की गरीब जनता को उन्होंने नकार दिया है। उद्योगपति अडानी अंबानी का कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा नाम नहीं लेने संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर उन्होंने कहा,तीसरे चरण में ही देश की जनता ने मोदी जी का टेम्पो डाउन कर दिया है इसलिए दोस्तों का टेम्पो याद आ रहा है। मोदी जी जवाब दीजिये, देश जानना चाहता है।

'फर्जी अभ्यर्थी की जगह योग्य की नियुक्ति क्यों नहीं'

जयपुर, 8 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एस.आई. भर्ती-2021, में पेपर लीक सहित अन्य फर्जीवाड़ों के जरिए लगे उम्मीदवारों के स्थान पर योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं देने के मामले में गृह सचिव,

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने एस.आई. भर्ती 2021, में पेपर लीक व अन्य गड़बड़ियों के मसले पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उक्त सवाल किया तथा गृह सचिव , डी.जी.पी. और आर.पी. एस.सी. के सचिव से जवाब मांगा।**

डी.जी.पी. और आर.पी.एस.सी. सचिव को दो सप्ताह में जवाब देने को कहा है।

जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र सैन की याचिका पर दिए। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि, भर्ती में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद दोषी उम्मीदवारों को हटाकर उनके स्थान पर वेटिंग लिस्ट से अभ्यर्थियों को नियुक्ति क्यों नहीं दी जा रही है।

याचिका में अधिवक्ता आर.पी. सैनी ने बताया कि, आर.पी.एस.सी. ने 2 फरवरी 2021 को 859 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। आयोग ने भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के बाद 11 दिसंबर 2023 को चयन सूची जारी कर अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी। याचिका में कहा गया कि, इस भर्ती को लेकर प्रदेश की पुलिस ने 14 केस दर्ज किए। जिसमें पेपर लीक सहित अन्य अनियमिताओं की शिकायत थी। बाद में जांच के बाद स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने भी पेपर लीक के कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में कई ट्रेनी एस.आई. भी हैं। याचिका में कहा गया कि, राज्य सरकार और जांच एजेन्सी मान चुकी हैं कि, इन लोगों ने फर्जीवाड़ा व पेपर लीक कर नियुक्तियां ली हैं। ऐसे में पेपर लीक व फर्जीवाड़े से चयनित हुए अभ्यर्थियों की सेवाएं खत्म कर उनकी जगह पर आरक्षित व प्रतीक्षा सूची वाले योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जानी चाहिए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

'सैम पित्रोदा ने साबित कर दिया कि, कांग्रेस भारतीयों को जाति एवं पंथ में विभाजित करने में जुटी हुई है'

भाजपा ने कहा कि, पूरी कांग्रेस और राहुल गांधी को अपने गुरु सैम पित्रोदा के बयान के लिए समस्त भारतवासियों से माफी मांगनी चाहिये

नई दिल्ली 8 मई (वार्ता)। भाजपा ने इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा द्वारा भारत के लोगों पर नस्लीय टिप्पणी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंदिर जाने को देश की विविधता एवं एकता के लिए खतरा बताये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया जतायी और कहा कि कांग्रेस जब से विदेशी मूल के नेतृत्व के हाथों गयी है, तब से वह भारत की हर बात विदेशी मूल की साबित करने में लगी है।

भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी और केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में सैम पित्रोदा के बयानों को देश को तोड़ने वाला करार दिया और कांग्रेस से इस अपराध के लिए देश से क्षमा याचना करने की मांग की।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी के उस्ताद सैम पित्रोदा ने भारत को लेकर कांग्रेस के उस विचार पर रोशनी डाली है, जिस पर श्रीमती सोनिया गांधी और शागिर्द राहुल गांधी जैसे कांग्रेस के बड़े नेता भरोसा करते हैं। उनके बयान को कांग्रेस का बयान माना जा रहा है क्योंकि गांधी परिवार ने अभी तक उसका खंडन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव अब भारत में विदेशी मानसिकता के असर में काम करने वालों और उन लोगों के बीच एक लड़ाई बन गए हैं, जो आत्मनिर्भरता और आत्म-सम्मान के साथ काम कर रहे हैं।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा

- **डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी के उस्ताद सैम पित्रोदा ने भारत को लेकर कांग्रेस के उस विचार पर रोशनी डाली है, जिस पर श्रीमती सोनिया गांधी और शागिर्द राहुल गांधी जैसे कांग्रेस के बड़े नेता भरोसा करते हैं। उनके बयान को कांग्रेस का बयान माना जा रहा है।**

कह रहे हैं कि राम मंदिर, रामनवमी और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राम मंदिर दौरे से भारत की विविधता और लोकतंत्र को चुनौती मिल रही है। उन्होंने कहा, मैं दोहराना चाहता हूं कि ऐसे विदेशी सलाहकारों के विचारों से प्रभावित लोग उस विचार को नहीं समझ सकते, जब प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। वे इसमें क्यों हैं कि हमें सब कुछ विदेशियों द्वारा दिया गया है। उनका बयान देश की मौलिक पहचान के प्रति उनकी अज्ञानता और अवमानना को दर्शाता है। जिस संस्कृति के बारे में वे दावा कर रहे हैं कि उसने भारत और लोकतंत्र के विचार को कमजोर कर दिया है, वह संस्कृति लोकतंत्र और विविधता का मौलिक आधार है। बाबरी ढांचे की रक्षा के लिए आप अदालत में खड़े थे और राम मंदिर को बदनाम करने के लिए आप विदेश से खड़े हो गये हैं।

उन्होंने कहा, ये कांग्रेस का नेतृत्व विदेशी मूल का क्या हो गया, कांग्रेस सभी भारतीयों का मूल विदेशी में ही ढूंढने लगी। मैं इसे फिर से कह रहा हूं, जब से कांग्रेस का नेतृत्व विदेशी मूल के लोगों ने संभाला, उन्होंने उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में भारतीयों को विदेशी मूल के रूप में देखना शुरू कर दिया। यह भारत की अस्मिता और उसके अस्तित्व के सवाल पर भारत के विचार की लड़ाई है। यह विदेशी मानसिकता है जो मुगलों और अंग्रेजों ने हमारे दिमाग में घर कर दी थी कि हम सब बाहरी हैं और भारत सिर्फ एक सराय है... कांग्रेस की मानसिकता स्पष्ट है, उनकी अवधारणा है 'भारत को अंदर से तोड़ो, बाहर से जोड़ो'।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि इसकी कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। इससे पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी आज स्वाभाविक रूप से भारत को विभाजित करने, भारतीयों को जाति, पंथ, पहचान और भौगोलिक आधार पर विभाजित करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, आप (कांग्रेस) खुद को अलग नहीं कर सकते। आप उस व्यक्ति से दूरी नहीं बना सकते जो भारतीयों के खिलाफ इस तरह की गहरी जड़ें जमा चुका है। आपको या तो उस पद से हटना होगा और आधिकारिक तौर पर कहना होगा कि एक वरिष्ठ नेता ने जो कहा है उसके लिए कांग्रेस माफी मांगती है।

'नोटों से भरे बोरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऋण माफ कर दिया है। भाजपा ''उनके भाई राहुल के खिलाफ पूर्ण रुप से झूठा प्रचार कर रही है।'' प्रियंका ने यह भी कहा कि, ''राहुल, अडाणी और अंबानी के बारे में रोजाना एक नया सच सामने ला रहे हैं।'' मोदी की टिप्पणियों के चलते राजनीतिक हलकों में उथल-पुथल मच गई है और आप पार्टी के नेता संजय सिंह ने दोनों उद्योगपतियों के खिलाफ जांच एजेन्सी से जांच कराने की मांग की है क्योंकि , आरोप लगाने वाले व्यक्ति खुद प्रधानमंत्री है।

कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि, प्रधानमंत्री ने जो बेतुका आरोप लगाया है वह इस बात का सूचक है कि, यह प्रधानमंत्री की खीज है जो उनके घटते प्रभाव और भाजपा की गिरती चुनावी संभावनाओं को दर्शाता है। अभी चार चरणों की चुनावी वोटिंग शेष रह गई है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA
आसान ड्राइविंग के लिए
ऑटोमैटिक कार्स.
CREEP FUNCTION (Ease to drive in bumper-to-bumper traffic)
UNBEATABLE MILEAGE OF 26.68 KMPL**
KICK-DOWN FUNCTION (Easy overtaking)
HILL HOLD ASSIST
***
महा बचत
CELERIO ₹58 100*
ALTO K10 ₹63 100*
WAGONR ₹63 100*
S-PRESSO ₹58 100*
CELERIO ALTO K10 WAGONR S-PRESSO
E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership
Black glass on the vehicle is due to lighting effect
MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: RELAN MOTORS: NASIRABAD ROAD: 6376631227. BEAWAR: 9782244068. SARWAR: 9667509515, 9269502259. AJMER AUTO: AJMER: 9314531845/9024967833/9887312019/8302176266 KEKRI: 7412037585. SAWAR: 9829310828. NASIRABAD: 9887272563/7568174107. PEESANGAN: 7412023397. VIJAYNAGAR: 9460964962. KISHANGARH: 7014230025, 7412023372.
*Terms & Conditions apply. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and corporate/rural offer (wherever applicable) on select models/variants and selected states. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st May 2024 or till stocks last. Creative visualization. **The mileage and the engine image shown are from the Celerio VXI AGS variant. Fuel efficiency certified by Test Agency Under Rule 115(G) of Central Motor Vehicles Rules 1989. ***The gearbox image shown is from the Celerio ZXI + AGS variant. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purposes only.